ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 349 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 जून 2024 मंगलवार

आज का मौसम
44 अधिकतम
31 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

अब देश में किसकी सरकार बनेगी और किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी, यह आज का सबसे बड़ा सवाल है। इसका जवाब शाम तक साफ हो जाएगा। लोकसभा चुनाव में देश की 542 सीटों पर रुझान आने लगे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए रूझानों में बहुमत के आंकडे को लगभग पार कर चुका है लेकिन अंतिम परिणाम तक सस्पेंस बना रहेगा। एनडीए को 280 के करीब सीटे पर बढत मिल रही है जबकि इंडिया ब्लॉक भी 230 के करीब है। रूझानों के मुताबिक भाजपा को रास्थान,हरियाणा ,उप्र में झटका लगा है। जबकि उडीसा में वह विधानसभा चुनाव में भी बाजी मारती दिख रही है।

सत्ता का संग्राम जबर्दस्त, भाजपा-एनडीए से दो-दो हाथ कर रहा इंडिया

उप्र में भाजपा को बड़ा झटका तो बिहार में इंडिया का गणित बिगड़ा, महाराष्ट्र व तमिलनाडू से विपक्ष को राहत

नई दिल्ली/भोपाल,एजेंसी,दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव के नतीजे इस बार एक्जिट पोल के अनुमानों को ध्वस्त करते दिख रहे हैं। आज सुबह से जारी मतगणना में भाजपा-एनडीए को अब तक तो एकतरफा जीत मिलती नहीं नजर आ रही है, बल्कि उसके गढों में भी कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' पूरी ताकत से टक्कर दे रहा है। हालांकि एनडीए कुछ सीटों के अंतर से आगे चल रहा है। मगर आलम यह है कि उप्र, बिहार, पंजाब, महाराष्ट्र, बंगाल,हरियाणा में भाजपा को विपक्ष से बहुत करारी चुनौती मिल रही है तथा उसका पिछला प्रदर्शन भी दांव पर लग गया है। दोपहर तक एनडीए 280 सीट पर और इंडिया 234 सीट पर आगे है। खास बात यह है कि कांग्रेस की सीटों में इस बार 2019 के मुकाबले काफी इजाफा होता नजर आ रहा है। वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी आगे हैं तो अमेठी की चर्चित सीट से भाजपा की स्मृति इरानी बहुत पीछे चल रही हैं। वहीं वायनाड और रायबरेली से राहुल गांधी आगे चल रहे हैं। जबकि उप्र की सुल्तानपुर से भाजपा की मेनका गांधी और अयोध्य(फैजाबाद) सीट से भाजपा के लल्लू सिंह पीछे हो रहे हैं।

सत्ता के हाईवे पर भाजपा से आगे सपा

दिल्ली की सत्ता के लिये उप्र को हाइवे माना जाता है मगर इस चुनाव में अब तक भाजपा पर सपा बहुत भारी पड़ रही है। अब तक रुझानों में एनडीए 35 तो इंडिया 42 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं, कांग्रेस को छह जबकि आरएलडी दो सीटों पर लीड है। दूसरी तरफ बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीएमसी को मुख्य प्रतिद्वंद्वी बीजेपी पर बढ़त मिलती दिख रही है। अब तक के रुझानों में बीजेपी को सिर्फ चार सीटों पर बढ़त है जबकि टीएमसी को दस सीटों पर बढ़त मिली है। वहीं, कांग्रेस एक सीट पर आगे है।

सितारों के सितारे कहीं बुलंद कहीं कमजोर

वोटों की गिनती के बीच फिल्म सितारों के चुनाव परिणाम भी उतारचढाव वाले हैं। हिमाचल की मंडी सीट पर कंगना रनौत 30 हजार की बढत पर हैं तो मेरठ से अरुण गोविल कभी आगे और कभी पीछे हो रहे हैं। इनके अलावा हेमा मालिनी मथुरा से आगे हैं। वहीं शत्रुघ्न सिन्हा आसनसोल से, मनोज तिवारी उत्तर पूर्वी दिल्ली से, रवि किशन गोरखपुर से आगे हैं। मगर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ आजमगढ़ सीट से पीछे भी हुए हैं। पवन सिंह काराकाट से और मलयालम स्टार सुरेश गोपी केरल के त्रिस्सूर से चुनावी मैदान में हैं और समीकरणों के चलते इन पर भी नजरें हैं। इधर गुडगांव से कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर करीब 42 हजार वोटों से बढत बनाए हुए हैं।

मप्र में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन शिवराज बड़ी जीत की ओर, दिग्विजय भी लगा रहे पूरा जोर

देशभर में चल रही उठापटक के बीच मप्र में भाजपा का प्रदर्शन पिछले चुनाव की ही तरह स्थिर नजर आ रहा है। उसके सभी उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। विदिशा से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान जबर्दस्त लीड की तरह बढ रहे हैं, वे सभी दौर में कांग्रेस के प्रतापभानू शर्मा से आगे रहे हैं। लेकिन पूर्व सीएम व कांग्रेस उम्मीदवार दिग्विजय सिंह राजगढ में पीछे हैं। हालांकि उनका अंतर कम है और ऐसे में माना जा रहा है कि राजगढ का मुकाबला काफी रोमांचक हो सकता है। यहां से भाजपा के रोडमल नागर उम्मीदवार हैं। गुना में भाजपा के ज्योतिरादित्य सिंधिया करीब पौने दो लाख वोट से आगे हो गये हैं। वहीं धार में सावित्री ठाकुर, शहडोल में हिमाद्री सिंह,खजुराहो से वीडी शर्मा आगे चल रहे हैं

टी-20 से ज्यादा रोमांचक हो रहा मुकाबला

इस बार लोकसभा चुनाव के नतीजे टी 20 जैसे फटाफट खेल से ज्यादा रोमांचक लग रहे हैं। इसमें उम्मीदवार एक दूसरे को लगातार पटकनी देने की कोशिश में है। रूझानों ने जो रोमांच पैदा किया उसमें प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी सीट भी रही। उप्र की इस सीट से कांग्रेस उम्मदीवार अजय राय ने एक बार तो मोदी को पीछे छोड़ दिया था। शुरुआती गिनती में अजय राय ने 4,089 वोटों के अंतर से पीएम मोदी पर बढ़त बनाई थी। बाद में वे पिछड गये। बिहार में रोमांचक माना जाने वाला मुकाबला एकतरफा नजर आने लगा है। एनडीए 34 सीटों पर आगे चल रही है जबकि जदयू 15, बीजेपी 13, लोजपा रामविलास 5 और हम 1 सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। तेजस्वी यादव की आरजेडी 3 सीटों पर आगे है जबकि कांग्रेस 1 सीट पर आगे है। वामदल भी 2 सीटों पर आगे हैं: बेगूसराय से गिरिराज सिंह ने अब अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त ले ली है. उजियारपुर में नित्यानंद राय ने भी राजद प्रत्याशी आलोक कुमार मेहता पर बढ़त हासिल कर ली है।

छिंदवाड़ा में नकुल पीछे, नाथ बोले जो है सो है

कांग्रेस के अपराजेय गढ छिंदवाडा में इस बार कांग्रेस को काफी मुश्किल का सामना करना पड रहा है। अभी तक सिर्फ एक ही बार भाजपा यहां से जीत सकी है। दोपहर तक मतगणना में पिछड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार नकुलनाथ के पिता कमलनाथ आज कांग्रेस मुख्यालय में कंट्रोल रूम में अध्यक्ष जीतू पटवारी, अरूण यादव आदि के साथ मौजूद रहे। उन्होंने नकुलनाथ के पिछडने पर इतना ही कहा कि अभी जो है सो है। उधर मतगणना में पिछडने के बाद राजगढ में दिगिवजय? सिंह की आपत्ति पर एक बार काउंटिंग को रोका भी गया।

भोपाल में प्रयोग पर भारी आलोक

भोपाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार अरूण श्रीवास्तव पर भाजपा के आलोक शर्मा भारी पड़ रहे हैं। वे लगातार आगे चल रहे हैं। श्रीवास्तव को कांग्रेस ने कायस्थ प्रयोग के तहत मैदान में उतारा था, वे करीब 88 हजार मतों से आगे चल रहे हैं। हालांकि माना जा रहा है कि पिछले चुनाव की तरह इस बार भाजपा की लीड कम हो सकती है। पिछली मर्तबा भाजपा की साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने दिगिवजय सिंह को 3.64 लाख मतों से हराया था।

इंदौर में जीत व नोटा दोनों बना सकते हैं रिकार्ड

मप्र की इंदौर सीट पर इस बार नोटा को देश में सबसे ज्यादा मत मिलते नजर आ रहे हैं। अब तक नोटा पर करीब एक लाख मत मिले हैं। जबकि भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी चार लाख की लीड पर हैं। दरअसल इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार अक्षयकांति बम द्वारा नामवापस ले लेने के बाद भाजपा के लिए मुकाबला एकतरफा हो गया है। बावजूद यहां कांग्रेस द्वारा नोटा के पक्ष में मतदान की अपील का असर नजर आ रहा है। पिछले चुनाव में बिहार के गोपालगंज में सर्वाधिक 51660 वोट नोटा को मिले थे,यानि मतदाताओं ने किसी भी उम्मीदवार को पसंद नहीं किया था। इंदौर में नोटा के वोट अब देश में नया रेकार्ड बना रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बने कंट्रोल रूम में जीतू पटवारी, कमलनाथ और अरुण यादव ने मतगणना पर नजर रखी वहीं भाजपा मुख्यालय में तमाम वरिष्ठ नेता बैठे रहे और बाहर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त रहे।

इंदौर में भारी लीड मिलने के बाद अपने समर्थकों के बीच भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी।

मेट्रो एंकर अडानी के शेयर धड़ाम

सहमा बाजार, सेंसेक्स निफ्टी में गिरावट

मुंबई , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार आज मतगणना के शुरुआती रुझान आने के वक्त से ही लड़खड़ाया हुआ है। पहले तो बाजार ही बड़ी गिरावट के साथ खुला। बाद में सेंसेक्स 5000 अंक तक गिर गया। सबसे ज्यादा गिरावट अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में देखने को मिल रही है। कल एक्जिट पोल के चलते बाजार में जितनी तेजी आई थी, आज मतगणना से उतनी ही बड़ी गिरावट का दौर है। सुबह साढ़े 9 बजे निफ्टी में करीब 600 अंकों की दर्ज की गई. जबकि बैंक निफ्टी में 1500 अंकों की बड़ी गिरावट देखी गई। सरकारी कंपनियों के शेयरों में गिरावट हावी है। उधर अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट हावी है। अडानी पोर्ट्स के शेयर में 9 फीसदी की गिरावट, अडानी पावर में 10 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 10 फीसदी की गिरावट, अडानी एंटरप्राइजेज में 10 फीसदी गिरावट देखी जा रही है। LIC में 10 फीसदी, HAL में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. रिलायंस में साढ़े 4 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है।

अब उप्र में सीएम योगी के भविष्य पर चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है।वहीं कांग्रेस ने भी बेहतर वाापसी की है। वह आठ सीटों पर आगे हैं। इस बीच उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ के बारे में चर्चा चलने लगी है। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में सत्ता परिवर्तन होगा। अब कमजोर नतीजे को लेकर भाजपा का रुख काबिलेगौर हो गया है। ज्ञात हो कि उसके सहयोगी अपना दल एस मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीटों पर पिछड़ती दिख रही है। वहीं, सुभासपा को घोसी लोकसभा सीट पर झटका लगता दिख रहा है। इंडिया गठबंधन प्रदेश की 80 में से करीब 40 सीटों पर पकड बनाए हुए है।

भावी सरकार: रूझानों के साथ बदने लगे हैं किंतु-परंतु, बढ़ी सरगर्मियां

नई दिल्ली , एजेंसी।

अभी तक लोकसभा चुनाव के जो रूझान आये हैं उससे लग रहा है कि यदि भाजपा को पूर्ण बहुमत नही मिला तो उसके सहयोगी दल भी सत्ता में भागीदारी के लिये 'दबंग' बन सकते हैं। एनडीए में शामिल चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जदयू की भूमिका काफी महतवपूर्ण हो सकती है क्योंकि यह दोनों दल अपनी निर्णय करने और निर्णय बदलने में काफी आगे रहते आये हैं। खास बात यह है कि अब तक के रूझानों में भाजपा को गुजरात में भी झटका दिख रहा है, वहां खाता न खोल सकने वाली कांग्रेस दो सीटों पर आगे हैं। जबकि राजस्थान व हरियाणा में भी भाजपा को चोट मिली है। उधर कांग्रेस को केरल,कर्नाटक,तमिलनाडु व उप्र से खासा संबल मिला है। इनकी बदौलत कांग्रेस इंडिया गठबंधन बहुत करीबी मुकाबले में पहुंच गया है। इसके चलते दिल्ली में सियासी सरगर्मी व बैठकें भी शुरू हो गई हैं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी अपनी बेटी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के आवास पर पहुंचीं हैं।

BRTS हटा, मगर सड़क पर खतरा भी बढ़ा!

भोपाल । राजधानी में ट्रेफिक के लिये उलझन बना हुआ बीआरटीएस कारिडोर भले ही हट गया हो लेकिन इसके बाद भी सड़क पर खतरे कम होने के नाम नहीं ले रहे हैं। दरअसल होशंगाबाद रोड पर अब हादसे बढ रहे हैं। यहां बीआरटीएस कारिडोर हटने के बाद चौड़ी हुई सड़कों पर दो और चार पहिया वाहन के चालक फर्राटे भर रहे हैं, जिसकी जहां मर्जी हो , वह उस तरफ मुड़ जाता है, इसके कारण आमने - सामने आने पर वाहनों में टक्कर हो रही हैं। इस मार्ग पर बीआरटीएस हटने के बाद करीब सवा सौ हादसे हो चुके हैं और तीन मौतें हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस को इस मार्ग पर लापरवाहीपूर्वक वाहन चालकों को रोकने के लिए कोई इंतजाम नहीं है। इन फर्राटे भरते वाहनों को रोकने के लिए पुलिस के पास कोई प्लान अब तक तैयार नहीं लगता। दरअसल हिरदाराम नगर से लेकर मिसरोद तक का बीआरटीएस कारिडोर को हटाने की कार्रवाई पहले तो सुस्त रफ्तार से चलती रही। अब हालत यह है कि नर्मदापुरम मार्ग

हाईवे जहां पर वीर सावरकर सेतु से नीचे उतरकर थाना बागसेवनिया तक सड़क पर सीमेंट के स्टापर बीच में रखवा दिया है, इसके आगे बावड़ियां ब्रिज के मुड़ने के लिए पुलिस एक कट प्वाइंट छोड़ दिया है, जिससे अचानक से सड़क पर चलते- चलते वाहन चालक मुड़ जाता है और पीछे से आ रहे वाहन चालक अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार होता है या बमुश्किल बच पाता है।

पुलिस को चेकिंग से काम, व्यवस्था बेलगाम

बीआरटीएस कारिडारे के समय इस मार्ग को पूरी तरह बंद कर रखा था तो वाहन चालक को पूरा चक्कर लगाकर ब्रिज पर आना होता है, ऐसा ही दानिश नगर के सामने वी मार्ट के सामने के हालत बन रहे हैं। जहां तो जिसकी जहां मर्जी वहां से मुड़ रहा है। कोई रोकने और रोकने वाला नहीं है। पुराने वक्त में मार्ग पर ट्रैफिक और थाना पुलिस के चेकिंग प्वाइंट शाम को लग जाते हैं, लेकिन उनको इन कट प्वाइंट से मुड़ने वाले वाहन चालकों से कोई लेना देना नहीं होता वे सिर्फ चेकिंग में व्यस्त रहते हैं।

कोलार से आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी

सड़क बनी, दौड़ रहे सारे वाहन लेकिन लो-फ्लोर बसें बंद !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आज भी सार्वजनिक परिवहन के मामले में कमियां हैं और लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पडा रहा है। उपनगर कोलार के कजलीखेड़ा से लेकर गौरव नगर तिराहे तक बनी करीब तीन दर्जन से अधिक कालोनियों के ही लगभग 25 हजार से अधिक बस यात्री लो-फ्लोर बसों के संचालन का इंतजार पिछले दो साल से कर रहे हैं। इस रोड के सिक्स लेन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है। बावजूद बीसीएलएल इस रूट पर बस सेवा शुरू करने की पहल नहीं कर रहा है। इसके चलते बड़े बुजुर्ग, छात्र और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल पहले एसआर 8 और 204 नंबर की लो-फ्लोर बसें कजलीखेड़ा तक चलती थी। जिनका पुन- संचालन किया जाना चाहिए। कोरोना काल के बाद कुछ दिनों के

लिए बसों का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन बाद में सिक्स लेन निर्माण के कारण बंद कर दिया गया, लेकिन अब यहां सिविल वर्क पूरा हो चुका है। इसके बावजूद बसें नहीं चलाई जा रही। उधर इस संबंध में बीसीएलएल का कहना है कि सिक्स लेन प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद सुचारू रूप से बसों का संचालन निगम की सीमा तक किया जाएगा। वर्तमान में सिक्स लेन निर्माण के कारण कोलार मेन रोड पर बसों का संचालन बंद है। बस यात्रियों की सुविधा के लिए उक्त रूट की बसें पिछले जेके टाउन से होते हुए दानिश चौराहे तक चलाई गईं। हालांकि इन बसों को सनखेड़ी- हिनौतिया आलम होते हुए कजलीखेड़ा तक चलाया जा सकता है। हालांकि रहवासी चाहते हैं कि पूर्व की भांति लो-फ्लोर बसों का संचालन कजलीखेड़ा तक किया जाना चाहिए। दृष्टि प्लाजा, इंग्लिश विला, ईशान विष्ठा, आइबीडी हालमार्क सिटी, राय पिंक सिटी फेस 1 व 2, ट्यूलिप ग्रीन, ट्यूलिप हाइट्स फेथ, बोरदा, थुआखेड़ा, कजलीखेड़ा, माय सिटी समेत उक्त रोड पर कई शैक्षणिक संस्थान के छात्र भी लो-फ्लोर बसों के नहीं चलने से दो साल से परेशान हैं। इससे ज्यादा परेशानी रहवासियों, छात्र-छात्राओं, बुजुर्गों और महिलाओं को स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल, कालेज व कोचिंग संस्थान तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माशिमं ने जारी किए 10वीं 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा के प्रवेश पत्र

सप्लीमेंट्री परीक्षा के आवेदन 7 जून तक जमा होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं 12वीं की परीक्षाओं में सप्लीमेंट्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2024 की हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी सप्लीमेंट्री परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। विद्यार्थी माशिमं की वेबसाइट से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।सप्लीमेंट्री परीक्षा की समय-सारिणी के अनुसार, हायर सेकंडरी के समस्त विषयों की पूरक परीक्षा सोमवार 8 जून तथा हाईस्कूल पूरक परीक्षा 10 जून से 20 जून तक होगी। दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 8 से 11 बजे के बीच रहेगा। दसवीं की सप्लीमेंट्री में पहला पेपर हिंदी का होगा। उल्लेखनीय है कि दसवीं-बारहवीं परीक्षा के परिणाम बीती 24 अप्रैल को घोषित किए जा चुके है। बारहवीं परीक्षा में केवल एक विषय व

हाईस्कूल परीक्षा में दो विषयों में अनुत्तीर्ण छात्रों को पूरक की पात्रता प्रदान की गई है। माशिमं की दसवीं परीक्षा में 1,15,839 व बारहवीं में 1,04,745 विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री मिली है। सप्लीमेंट्री परीक्षा के आवेदन एक मई से जमा होना शुरू होंगे। आवेदन 7 जून तक जमा होंगे। परीक्षा शुल्क पांच सौ रुपए व पोर्टल शुल्क 25 रुपए रहेगा।

मौसमी करवट: प्री मानसून गतिविधि होगी शुरू, लू से राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी समेत मप्र के कई जिलों में प्री मानसून पूर्व गतिविधियां शुरू होने लगी हैं। भोपाल में अधिकतम तापमान 42 डिग्री के आसपास आ गया है। हालांकि सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है लेकिन बीच बीच मे बादल से राहत मिल रही है। मौसम केंद्र के अनुसार, प्रदेश में अगले चौबीस घंटों का मौसम ऐसा ही रहेगा। दो-तीन दिन बाद आसमान में बादल छा सकते हैं। इस दौरान भोपाल समेत प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। अभी प्रदेश में हवाओं का रुख बदला हुआ है। इससे मानसून के प्रदेश में तय समय पर आने की संभावना बनी है।

इंदौर समेत कई स्थानों बौछारें पड़ी हैं। सोमवार को अधिकतर जिलों में लू नहीं चली। इससे प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी से कुछ हद तक निजात मिली है। हालांकि प्रदेश के उत्तरी हिस्से में तापमान बढ़ा हुआ है। छतरपुर में प्रदेश का सर्वाधिक तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ तो निवाड़ी में 45.5 और खजुराहो में 45.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। शेष जिलों में तापमान इससे कम रहा।

कई जिलों में बारिश

प्री मानसूनी गतिविधियों के बीच बीते 24 घंटों में इंदौर में 13 मिमी तो सीधी में 10 मिमी वर्षा दर्ज की गई, वहीं धार में आधा मिमी वर्षा दर्ज हुई। हवाओं के बदले रुख के बीच प्री मानसून की गतिविधियां

श्री शनि जन्मोसव आज से, कल तिलाभिषेक

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में 41 वां श्री शनि जन्मोत्सव समारोह 6 जून को सिद्ध शनैश्वर देवस्थान कम्युनिटी हाल के पास, संजय कॉलोनी में मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत पांच जून को रात 9.00 बजे होगी। श्री सियाराम रामचरित मानस मण्डल संगीतमय सुन्दर काण्ड की प्रस्तुति देगा। 6 जून को प्रातः 5.30 बजे श्री शनि तिलाभिषेक, प्रातः 8.00 बजे श्री शनि महाआरती एवं प्रातः 10.00 बजे श्री शनि महायज्ञ एवं दोपहर 12.00 बजे से आम भण्डारे का आयोजन होगा। इसके अलावा शाम 7.20 बजे महाआरती होगी।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के दो मामलों में लिया संज्ञान

जर्जर सड़क, बड़े-बड़े गढ्ढे बने परेशानी, नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल शहर के वार्ड नंगर 21 स्थित जुमेराती से पीट गेट की तरफ जाने वाली सड़क के विगत पांच साल से खराब पड़े होने के मामले में संज्ञान लिया है। सड़क पर बड़े-बड़े गढ्ढे हो गए है। इस कारण लोगों एवं ग्राहकों को परेशानी का सामना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त से जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

रोड़ पर चैंबर टूटा, बैरिकेडिंग भी नहीं

भोपाल शहर के अल्पना तिराहे से भोपाल स्टेशन की ओर जाने वाली रोड़ पर बीच में बना चैंबर के टूटने का मामला सामने आया है। इस कारण रोड़ से आवाजाही करने वाले वाहन चालकों सहित पैदल राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है। आयोग ने नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

मेट्रो एंकर | हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी का 'टीचर्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम'

'आत्मसंतोष जीवन यात्रा की सबसे बड़ी पूंजी: सिद्धभाऊजी'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित विद्यालयों मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल, विद्यासागर पब्लिक स्कूल एवं सीएचआई गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए 'शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया, 15 जून तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य शिक्षण कार्य को और अधिक रोचक, ज्ञानवर्द्धक, सुगम्य और प्रभावशाली बनाना है।

शिक्षक उन्मुखीकरण सत्र के प्रथम दिवस पर सिद्ध भाऊजी ने कहा कि आत्मसंतोष जीवन यात्रा की सबसे बड़ी पूंजी है। मर्यादित ङ्क शिष्ट आचरण, सामंजस्य एवं समन्वय का भाव व्यक्ति के जीवन को प्रसन्नता एवं सम्मान से परिपूर्ण

करता है। सम्मान पाने की लालसा से पूर्व व्यक्ति के भीतर सम्मान देने का भाव ही उसे समाज में प्रतिष्ठित एवं सम्मानित स्थान देने में सहायक होता है। आपने शिक्षकगण से अपील की कि वे दूसरो में दोषों को ना खोजे, न किसी की निंदा करे और न ही सुने क्योंकि यह नकारात्मकता को बड़ा कर व्यक्ति को दुःख, तनाव एवं अवसाद से घेर लेता है जिसका कुप्रभाव उसके व्यक्तित्व को संकुचित कर देता है। एक शिक्षक के लिए यह आवश्यक है कि वह सदैव अपनी वाणी में मिठास रखें एवं दूसरों के लिए सम्मान रखें। प्रतिशोध की अग्नि में जलने से शांति व आनंद चला जाता है अतः हमेशा क्षमा करने का गुण अपने मन में विकसित करें।

संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने अपने वक्तव्य में बोर्ड परिक्षाओं में संस्था के विभिन्न विद्यालयो के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने भविष्य में भी शिक्षकों से कर्मठ एवं लगनशील बने रहकर छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयासरत् रहने की अपील की। साथ ही आगामी दिवस के शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम की रुपरेखा पर प्रकाश डाला।

सेवा सदन आई हॉस्पिटल के मैनेजिंग ट्रस्टी एसी साधवानी ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक एवं शिक्षिका का स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। यदि आप स्वस्थ रहेंगे तो अपने कर्तव्य का पालन बहुत अच्छी तरह से कर पाएंगे। विद्यार्थी आपके पढ़ाने और बोलने से ज्यादा आपके आचरण की प्रत्येक गतिविधि को ध्यान में रखते हैं और उसका अनुपालन करते हैं। इसलिये जो संस्कार हम विद्यार्थियों के भीतर रोपना चाहते हैं वे संस्कार हमको अपने जीवन और व्यवहार में भी उतारना अति आवश्यक है।

संस्था सह-सचिव केएल रामनानी कहा कि विवेकशील बनकर सद्कार्यों के प्रति समर्पित रहें क्योंकि अच्छे एवं भावना से किए गए कार्यों का सुफल अवश्य प्रदान करता है। संस्था सदस्य मनोहर वासवानी ने गुरुकुल परंपरा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति का आभूषण चारित्रिक मूल्यों को बताया जो वर्तमान संदर्भ में विद्यार्थियों में रोपित किया जाना अतिआवश्यक है।

इस अवसर पर संस्था के अकादमिक डॉयरेक्टर गोपाल गिरधानी, विद्यालय मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या अमृता मोटवानी, केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा, सीएचआई गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा, विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी द्वारा शिक्षकों के दायित्व एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार अभिव्यक्त किए गए।

भोपाल में मतगणना

01

02

03

04

05

06

07

08

भोपाल में लोकसभा सीट के लिए पुरानी जेल में मतगणना सुबह से शुरू हुई। इस दौरान मतगणना स्थल के आसपास गहमागहमी रही, कांग्रेस उम्मीदावार अरूण श्रीवास्तव कार्यकर्ताओं के साथ जा पहुंचे वहीं भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने घर से निकलने के पहले माता-पिता का आर्शीवाद लिया।

अस्पतालों, दफ्तरों में आग से परेशान सरकार

फायर प्लान नहीं तो हजार रुपए रोज लगेगा अर्थदंड

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अब ऐसे भवन स्वामी जिन्होंने फायर प्लान नहीं लिया है, उनसे अब सरकार जुर्माना वसूलकर जिम्मेदार बनाने की तैयारी में हैं। इनसे 500 से एक हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अर्थदंड वसूला जा सकता है। इस संबंध में सरकार ने प्रदेश में जारी किए जा रहे फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र के संबंध में नए दिशा ारी किए हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दरअसल, मध्य प्रदेश में अस्पतालों और शासकीय भवनों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के चलते नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 16 दिसंबर 2022 को भूमि विकास नियम 2012 में नई व्यवस्था कर फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र देने का प्रावधान किया था। इसके तहत भवन स्वामी या संचालक को अग्निशमन प्राधिकारी के समक्ष फायर प्लान तैयार कर प्रस्तुत करना होता है, लेकिन शासन को लगता है कि पिछले दो साल से अधिकांश भवन स्वामियों द्वारा फायर प्लान प्रस्तुत ही नहीं किया। इस बीच सतपुड़ा और वल्लभ भवन में आग लगने की घटनाएं हो गई। अस्पतालों में भी आग से जनहानि हो चुकी है। इसे देखते हुए आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव ने कलेक्टरों को पत्र लिखकर 16 दिसंबर 2022 में किए गए प्रविधानों स्मरण कराते हुए फायर प्लान न देन वाले भवन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

एक साल की लापरवाही पर दोगुना जुर्माना

ताजा निर्देश के अनुसार 16 दिसंबर 2022 के बाद दो माह अर्थात 16 फरवरी 2023 से 15 फरवरी 2024 तक ऐसे भवन स्वामियों से एक साल की समयावधि तक प्रतिदिन 500 रुपये इस हिसाब से एक लाख 82 हजार 500 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। जबकि एक साल पूरे होने पर 16 फरवरी 2024 से 29 मई 2024 तक दो गुना अर्थदंड यानी एक हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से एक लाख चार हजार रुपये वसूले जाएंगे। यानि कुल दो लाख 86 हजार 500 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। फायर प्लान तैयार कर अग्निशमन प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं करने वाले भवन स्वामियों व संचालकों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षाएं स्कूलों में पूर्व निर्धारित समय पर ही आयोजित की जाएगी

सरकारी स्कूलों के समय में जिला शिक्षा अधिकारी कर सकेंगे बदलाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बढ़ती भीषण गर्मी के बीच स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारी सरकारी स्कूलों के समय में परिवर्तन कर सकेंगे। सरकारी स्कूलों में वर्तमान में समय सुबह 10:30 से शाम 4:30 बजे तक होता है, जिसे जिला शिक्षा अधिकारी स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बदल सकेंगे। हालांकि स्कूलों के संचालन की कुल अवधि में कोई बदलाव या कमी नहीं की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह ने इस संबंध में सभी जिलों को आदेश जारी किए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षाएं पहले से निर्धारित समय के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और 15 जून 2024 तक के लिए प्रभावी होगा।

भोपाल में स्कूलों में 15 जून तक सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेगी कक्षाएं: राजधानी भोपाल में 15 जून तक स्कूल सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था सरकारी स्कूलों के लिए लागू की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भीषण गर्मी की वजह से स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। उन्होने कहा कि 17 जून से विद्यार्थी स्कूल आएंगे। उसके बाद मौसम को देखते हुए स्कूलों का समय में बदलाव किया जाएगा।

कल से महत्वाकांक्षी अभियान

जलस्त्रोतों को बचाने हरित क्षेत्र का विकास होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कल 16 जून तक विशेष अभियान में जल संरचनाओं से मिलने वाले गंदे पानी के नाले अथवा नालियों को डायवर्सन के बाद शोधित कर जल संरचना में छोड़ा जाएगा। चिन्हित जल संरचनाओं की मोबाइल एप से जियो टैगिंग भी की जाएगी। जल संरचनाओं के किनारे अतिक्रमण से बचाने एवं नदी तालाबों के कटावों को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि जन-जागरूकता के उद्देश्य से छह जून को प्रत्येक नगरीय निकाय में जल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आठ जून को जन भागीदारी से श्रमदान कर जल संरचनाओं की साफ सफाई की जाएगी। नौ जून को जल संरचनाओं के समीप कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा साथ ही नौ जून को ही जल संरक्षण विषय पर निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे। 10 से 16 जून तक योजनानुसार जीर्णोद्धार के साथ-साथ जल संरचनाओं की साफ-सफाई भी होगी। 15 व 16 जून को गंगा दशमी के अवसर पर प्रमुख जल स्त्रोतों के किनारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गंगा आरती, भजन समारोह इत्यादि आयोजित किये जाएंगे।

मेट्रो एंकर | 1.25 लाख सीटें थी आवंटित, प्रदेशभर के कॉलेजों की 8.17 लाख सीटें

कॉलेज प्रवेश: यूजी के पहले चरण में अंतिम तारीख तक 80 हजार सीटों पर हुए प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के 1314 कॉलेज की यूजी-पीजी करीब 10.29 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग जारी है। यूजी में प्रथम चरण में आवंटित सीटों पर प्रवेश के लिए सोमवार को अंतिम तारीख तक शाम तक करीब 80 हजार विद्यार्थियों ने शुल्क जमा कर प्रवेश लिए हैं। प्रदेश के कॉलेजों में स्नातक की करीब 7.98 सीटें हैं, इनमें से प्रथम चरण में 1.25 लाख सीटें आवंटित की गई थीं। इसमें शाम 6 बजे तक मात्र 80,284 प्रवेश हुए हैं, हालांकि रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करने समय निर्धारित है। इसके बाद सीट छो ?कर अपग्रेडेशन के विद्यार्थियों को सीटें आवंटित की जाएंगी।

पीजी में पहले चरण की सीटें अटकी, दूसरे चरण के पंजीयन 14 तक

विभाग ने पीजी के पहल चरण के पंजीयन, चॉइस फिलिंग और सत्यापन की तारीख बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा था, लेकिन निर्णय नहीं हो सका। इस बीच पीजी में द्वितीय चरण शुरू कर दिया गया। इसकी प्रक्रिया चल रही है। इसमें पंजीयन 14 जून तक होंगे और सीट आवंटन 22 जून को होगा। पीजी में 2.12 लाख से अधिक सीटें हैं। इनमें प्रवेश के लिए एक तिहाई पंजीयन भी नहीं हुए हैं। पहले चरण में 41,932 पंजीयन, 39,215 चॉइस फिलिंग और 34,208 सत्यापन हुए हैं, इन्हें अभी तक सीटें आवंटित नहीं की गई हैं।

यूजी-पीजी की 10.18 लाख सीटें

उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 1,308 सरकारी और निजी कॉलेजों में यूजी-पीजी की करीब 10.18 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग कराई जा रही है। इसमें पीजी में करीब 2.11 लाख और यूजी की लगभग 8.17 लाख सीटें हैं।

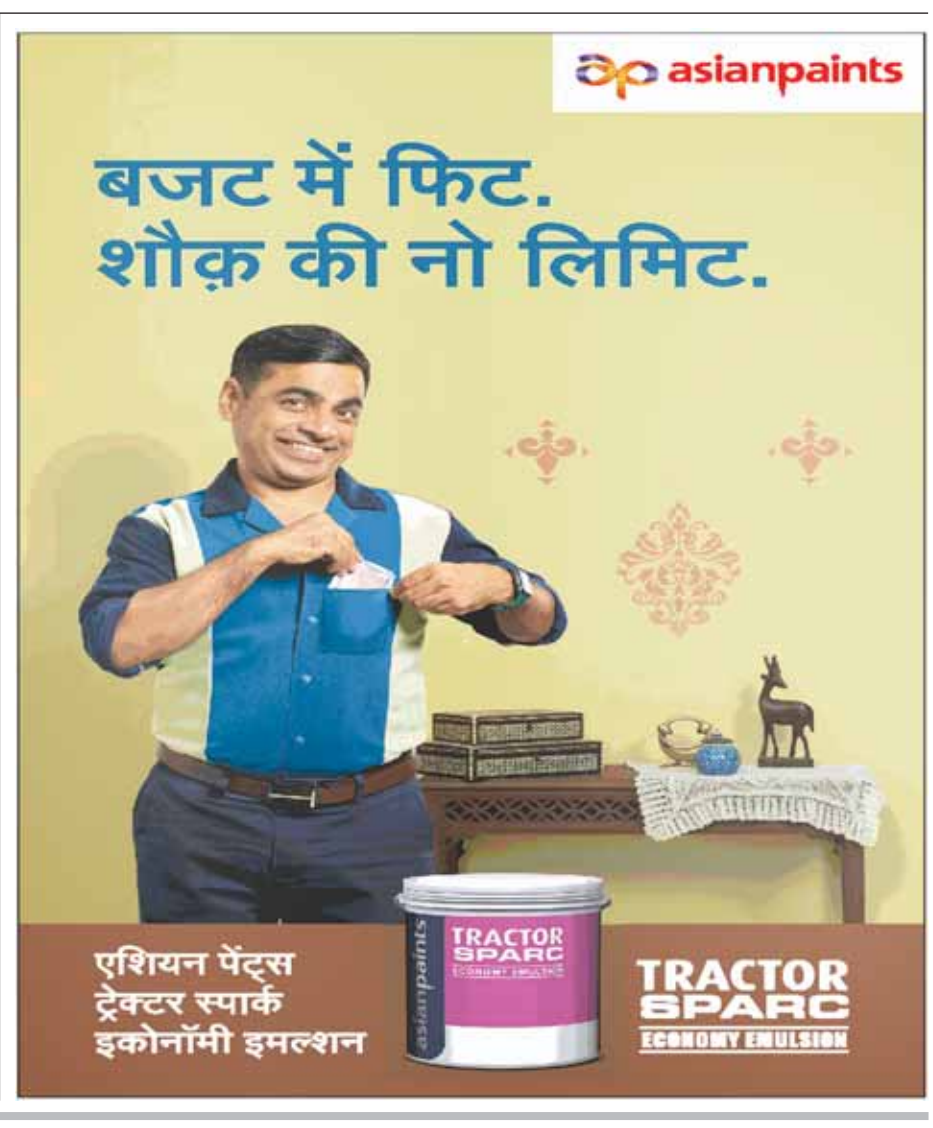

संपादकीय

गर्मी और चुनाव

दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते वैश्विक ताप को लेकर चिंतित हैं। वे लगातार सलाहें दे रहे हैं हिदायतें और चेतावनियां जारी कर रहे हैं, मगर इसे लेकर खुद सरकारें और उनके तंत्र ज्यादा गंभीर नजर नहीं आते। इसी के चलते इन दिनों हम लू गर्मी की चपेट में आकर जान गंवाने की अनचाही खबर सुन रहे हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में मतदान के आखिरी चरण में लू लगने और बुखार की वजह से फिलहाल करीब पच्चीस लोगों के जान गंवा देने के आंकड़े आए,तो देश के अन्य हिस्सों से भी दर्जनों ऐसी ही खबरें मिलीं। राज्यों से करीब साढ़े तीन सौ लोगों के मरने के आंकड़े मिल रहे हैं। करीब दो साल पहले तो ऐसी ही जानलेवा गर्मी के मौसम और कोरोना संक्रमण के समय उप्र में पंचायत चुनाव कराए गए थे, जिसमें सौ से अधिक सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के चुनाव तैनाती के दौरान बीमार होकर मरने के आंकड़े आए थे। तब उत्तर प्रदेश अध्यापक संघ ने खासा विरोध दर्ज कराया और मुआवजे को लेकर सरकार पर काफी दबाव बनाया था। अब आम चुनाव के दौरान तैनात कर्मचारियों के मरने की खबरें आई हैं। स्वाभाविक ही तेज गर्मी में तैनात कर्मचारियों के मरने को लेकर निर्वाचन आयोग की इस बार आलोचना हो रही है। मरने वाले कर्मचारियों में अधिकतर छोटी श्रेणी के हैं, जिन्हें लगभग पूरे समय धूप में ही खड़े रहना पड़ा होगा। इनके अलावा, उन हजारों सुरक्षाबलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिन्हें चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़े सहते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करना पड़ा। मतदान की प्रक्रिया समाप्त हो गई, मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने क्या सोच कर चुनाव को इतना लंबा खींचा और ऐसे मौसम में मतदान की तारीखें रखीं, जब पूरा उत्तर भारत लू में झुलस रहा होता है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि निर्वाचन आयोग मई और जून के महीनों में चलने वाली गर्म हवाओं से अपरिचित रहा होगा। जब वह सुरक्षा उपायों का गंभीरता से अध्ययन कर सकता है, सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर इतना सतर्क हो सकता है, तो उसने मौसम विभाग के साथ बैठ कर गर्मी के चलते पैदा होने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास क्यों नहीं किया। कई लोगों का मानना है कि तेज गर्मी की वजह से बहुत सारे लोग मतदान के लिए घरों से बाहर नहीं निकले, जिससे कई जगहों पर मतदान काफी कम हुआ। दरअसल मतदान कराने का मतलब केवल यह नहीं होता कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाए और मतदाताओं की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। इस प्रक्रिया को संपन्न कराने वालों की सेहत और सुविधाओं का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। निर्वाचन आयोग इस बात से बेखबर नहीं माना जा सकता कि गर्मी और लू के कारण लोगों का पाचन तंत्र खराब हो जाता है, जिन लोगों को दिल, गुर्दे वगैरह की समस्या है, उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। जिन सरकारी कर्मचारियों को चुनाव केंद्रों पर तैनात किया गया, उनमें से अनेक लोग इस तरह की समस्याओं से पहले से जूझ रहे होंगे। आखिर उनकी सेहत का ध्यान रखने की जिम्मेदारी किस पर होगी। अब लू लगने से मरने वालों को मुआवजे की घोषणा की जा रही है, मगर इससे सरकारी तंत्र की लापरवाहियों पर पर्दा नहीं पड़ जाता। बल्कि चुनाव कराने वाली संस्थाओं को मौसमी तकाजों को ध्यान रखना होगा। चुनाव कराने वाले सरकारी कर्मचारी तो अपने संगठनों के जरिये नाराजगी दर्ज करा देते हैं लेकिन सुरक्षाकर्मी कितनी मुश्किलें झेलकर चुनाव कराते हैं। यदि चुनाव के पूरे आयोजन को कम दिनों में किया जाए तो लाखों कर्मचारी सफर,गर्मी आदि परेशानी से बच सकते हैं।

आध्यात्मिक प्रक्रिया की पहली बुनियादी चीज यह है कि आप सारी मान्यताओं और धारणाओं को छोड़ देते हैं।

आज का इतिहास

- 1959 न्यूजीलैंड के पूर्व नॉर्थ शोर शहर के ऑकलैंडविथ नॉर्थकोट में सेंट मेरीज़ बे में शामिल होने वाला ऑकलैंड हार्बर ब्रिज, खुल गया।
- 1961 डोमिनिकन स्ट्रॉन्ग राफेल ट्रूजिलो को जनरलों के एक समूह ने घात लगाकर हत्या कर दी
- 1962 चिली में 1962 का फीफा विश्व कप की शुरुआत हुआ।
- 1963 बौद्ध संकट-एक समर्थक कैथोलिक भेदभाव के खिलाफ दक्षिण वियतनाम के नेशनल असेंबली के बाहर आयोजित किया गया था, राष्ट्रपति नेगो दीन्ह दीम के खिलाफ पहला खुला प्रदर्शन।
- 1963 बौद्ध संकट दक्षिण-वियतनाम की नेशनल असेंबली के बाहर कैथोलिक भेदभाव के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, राष्ट्रपति एनगोन के खिलाफ पहला खुला प्रदर्शन
- 1972 जापानी रेड आर्मी के सदस्यों ने इजरायल के तेल अवीव में लोद एअरपोर्टमैसरे को लोकप्रिय मोर्चे की ओर से फिलिस्तीन की मुक्ति के लिए किया, जिसमें 20 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 80 अन्य घायल हो गए।
- 1975 यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का गठन हुआ।
- 1989 डेमोक्रेसी ऑफ डेमोक्रेसी (प्रतिकृति चित्र), एक दस-मीटर (33 फीट) ऊंची प्रतिमा, जो ज्यादातर पॉलिस्टीन फोम और पपीयर-माचे से बनी है, बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर में छात्र प्रदर्शनकारियों द्वारा धोखे से बनाई गई थी।
- 1990 पेरू में भूकंप से 135 लोगों की मौत हुई।
- 1998 6.9 मेगावॉट के भूकंप ने उत्तरी अफगानिस्तान को तबाह कर दिया, जिसमें कम से कम 4, 000 लोगों की मौत हो गई, 30 से अधिक गांवों को नष्ट कर दिया, और 45 से 000 लोगों को छोड़ दिया, जो कि ताखर और बदख्शां के अफगान प्रांतों में बेघर हो गए।

निशाना

ख़त्म हुई मियाद !

- कृष्णेन्द्र राय

कर दिया सरेंडर ।
ख़त्म हुई मियाद ?।।
बोल गए हैं देश को ।
रखना तुम आबाद ।।
पता नहीं है मुझको ।
कब है वापस आना ।।
देश की खातिर एक एक ।
क़तरा है बहाना ।।
चला थोड़ा भाषण ।
बजी खूब ताली ।।
करके ख़त्म प्रचार ।
चले जेल खाली ।।
झूठा एक्जिट पोल है ।
सबको ये बताया ।।
आ रहे हैं हम ।
उनका अब सफ़ाया ।।

कन्याकुमारी में साधना से निकले नये संकल्प

■ नरेंद्र मोदी

लोकतंत्र की जननी में लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व का एक पड़ाव पूरा हो रहा है। तीन दिन तक कन्याकुमारी में आध्यात्मिक यात्रा के बाद, मैं अभी दिल्ली जाने के लिए हवाई जहाज में आकर बैठा ही हूंज काशी और अनेक सीटों पर मतदान चल ही रहा है। कितने सारे अनुभव हैं, कितनी अनुभूतियां हैंज मैं असीम ऊर्जा का प्रवाह महसूस कर रहा हूं। वाकई, 24 के इस चुनाव में, कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस प्रथम लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की प्रेरणास्थली मेरठ से शुरू किया। मां भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी आखिरी सभा पंजाब के होशियारपुर में हुई। संत रविदास जी की तपोभूमि, हमारे गुरुओं की भूमि पंजाब में आखिरी सभा होने का सौभाग्य भी विशेष है। इसके बाद मुझे कन्याकुमारी में भारत माता के चरणों में बैठने का अवसर मिला। शुरुआती पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में गूंज रहा था। रैलियों, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों के असीम प्रेम का वो ज्वार, उनका आशीर्वादज उनकी आंखों में मेरे लिए वो विश्वास, वो दुलार मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। आंखें नम हो रही थीं मैं शून्यता में जा रहा था, साधना में प्रवेश कर रहा था। कुछ ही क्षणों में राजनीतिक वाद-विवाद, वार-पलटवारज आरोपों के स्वर-शब्द, वे सब शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गयाज मेरा मन बाह्य जगत से पूरी तरह अलिप्त हो गया। इतने ब? दायित्वों के बीच ऐसी साधना कठिन होती है, लेकिन कन्याकुमारी की भूमि व स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा ने इसे सहज बनाया। मैं सांसद के तौर पर अपना चुनाव भी अपनी काशी के मतदाताओं के चरणों में छोड़ यहां आया था। मैं ईश्वर का भी आभारी हूं कि उन्होंने मुझे जन्म से ये संस्कार दिये। सोचा कि स्वामी विवेकानंद जी ने उस स्थान पर साधना के समय क्या अनुभव किया होगा! मेरी साधना का कुछ हिस्सा इसी तरह के विचार प्रवाह में बहा। इस विरक्ति के बीच, शांति व नीरवता के बीच, मेरे मन में निरंतर भारत के उज्ज्वल भविष्य व लक्ष्यों के लिए निरंतर विचार उमड़ रहे थे। कन्याकुमारी के उगते हुए सूर्य ने मेरे विचारों को नई ऊंचाई दी, सागर की विशालता ने विचारों को विस्तार दिया। क्षितिज के विस्तार ने ब्रह्मांड की गहराई में समाई एकात्मकता का निरंतर अहसास कराया। ऐसा लगा जैसे दशकों पहले हिमालय की गोद में किए गए चिंतन-अनुभव पुनर्जीवित हो रहे हों। कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा से मेरे मन के अत्यंत करीब रहा। कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला-स्मारक का निर्माण एकनाथ रानडे जी ने करवाया था। उनके साथ मुझे काफी भ्रमण करने का मौका मिला। इस स्मारक के निर्माण के दौरान कन्याकुमारी में कुछ समय रहना, आना-जाना, स्वाभाविक रूप से होता था। कश्मीर से कन्याकुमारीज ये हर देशवासी के अन्तर्मन में रची-बसी साझी पहचान है। ये वो शक्तिपीठ है जहां मां शक्ति ने कन्या कुमारी के रूप में अवतार लिया। इस दक्षिणी छोर पर मां शक्ति ने उन भगवान शिव के लिए तपस्या-प्रतीक्षा की, जो भारत के सबसे उत्तरी छोर के हिमालय पर विराज रहे थे। कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की

पवित्र नदियां अलग-अलग समुद्रों में मिलती हैं। यहां उन समुद्रों का संगम होता है। यहां एक और महान संगम दिखता है- भारत का वैचारिक संगम! यहां विवेकानंद शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुवल्लूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामराजर मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की ये धाराएं यहां राष्ट्र चिंतन का संगम बनाती हैं। इससे राष्ट्र निर्माण की महान प्रेरणाओं का उदय होता है। कन्याकुमारी की ये धरती एकता का अमिट संदेश देती है।

कन्याकुमारी में संत तिरुवल्लूवर की विशाल प्रतिमा, समंदर से मां भारती के विस्तार को देखती प्रतीत होती है। उनकी रचना 'तिरुक्कुरल' तमिल साहित्य के रत्नों से जड़ित एक मुकुट के जैसी है। इसमें जीवन के हर पक्ष का वर्णन है, जो हमें स्वयं और राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- प्रत्येक राष्ट्र के पास अपनी नियति को हासिल करने के लिए एक संदेश का लक्ष्य होता है। भारत हजारों वर्षों से इसी भाव के साथ सार्थक उद्देश्य को लेकर आगे बड़ा है। हमने जो अर्जित किया उसे कभी व्यक्तिगत पूंजी मानकर आर्थिक या भौतिक मापदण्डों पर नहीं तौला। इसीलिए, 'इदं न मम' यह भारत के चरित्र का सहज एवं स्वाभाविक हिस्सा हो गया है। भारत के कल्याण से विश्व का कल्याण, हमारी प्रगति से विश्व की प्रगति, इसका एक बड़ा उदाहरण हमारी आड़ादी का आंदोलन है। हमारी आजादी तमाम गुलाम देशों के लिये प्रेरणा बनी। कोरोना के कठिन कालखंड में हमारे सफल प्रयासों से गरीब- विकासशील देशों को हौसला मिला।ड़भारतीय गवर्नेंस मॉडल से 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना अभूतपूर्व है। समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता देने के हमारे प्रयासों ने विश्व को प्रेरित किया। भारत का डिजिटल इंडिया अभियान पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है कि हम कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल गरीबों को सशक्त करने, पारदर्शिता लाने, उनके अधिकार दिलाने में कर सकते हैं। भारत में सस्ता डेटा सूचना और सेवाओं तक गरीब की पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता का माध्यम बना है।

आज भारत की प्रगति और उत्थान सहयात्री देशों के लिए भी ऐतिहासिक अवसर है। जी-20 की सफलता के बाद से विश्व भारत की इस भूमिका को और अधिक मुखर होकर स्वीकार रहा है। भारत को ग्लोबल साउथ की एक सशक्त और महत्वपूर्ण आवाड़ के रूप में स्वीकारा जा रहा है। नए भारत का ये स्वरूप 140 करोड़ देशवासियों को उनके कर्तव्यों का अहसास भी करवाता है। हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, और ये जरूरी है कि हम भारत के अंतर्भूत सामर्थ्य को समझें। 21वीं सदी की दुनिया भारत की ओर आशाओं से देख रही है। वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए हमें कई बदलाव भी करने होंगे। हमें सुधारों को लेकर पारंपरिक सोच को भी बदलना होगा। हमें जीवन में हर क्षेत्र में सुधारों की दिशा में आगे बड़ना होगा। हमारे सुधार 2047 के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप हों । मैंने देश के लिए रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का विड़न सामने रखा। जिसके क्रियान्वयन में क्रमशः नेतृत्व, नौकरशाही व जनता जनार्दन की भूमिका होती है।

देश को विकसित भारत बनाने के लिए हमें श्रेष्ठता को मूल भाव बनाना होगा। हमें स्पीड, स्कोप और स्टैंडर्ड के साथ, चारों दिशाओं में तेजी से काम करना होगा। हमें मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ क्वालिटी पर जोर देना होगा। हमें एक राष्ट्र के रूप में पुरानी पड़ चुकी सोच और मान्यताओं का परिमार्जन भी करना होगा। हमें हमारे समाज को पेशेवर निराशावादियों के दबाव से बाहर निकालना है। याद रहे सकारात्मकता की गोद में ही सफलता पलती है। भारत की अनंत शक्ति के प्रति मेरी आस्था, श्रद्धा और विश्वास भी दिन-प्रतिदिन बड़ते जा रहे हैं। मैंने पिछले 10 वर्षों में भारत के इस सामर्थ्य को और ज्यादा बढ़ते हुए अनुभव किया है। जिस तरह हमने 20वीं सदी के चौथे-पांचवें दशक को अपनी आड़ादी के लिए प्रयोग किया, उसी तरह 21वीं सदी के इन 25 वर्षों में हमें विकसित भारत की नींव रखनी है। स्वतंत्रता संग्राम देशवासियों के सामने बलिदान का समय था। आज निरंतर योगदान का समय है। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कहा था कि हमें अगले 50 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करने होंगे। उनके इस आह्वान के ठीक 50 वर्ष बाद, 1947 में भारत आड़ाद हो गया।

आज हमारे पास वैसा ही स्वर्णिम अवसर है। हम अगले 25 वर्ष केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करें। हमारे ये प्रयास आने वाली पीड़ियों और शताब्दियों के लिए नए भारत की सुदढ़ नींव बनकर अमर रहेंगे। मैं देश की ऊर्जा को देखकर ये कह सकता हूं कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। आइए, तेज कदमों से चलेंज मिलकर चलें, भारत को विकसित बनाएं।

- लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।

समावेशी विकास को गति देते हुनरमंद

■ सतीश सिंह

मौजूदा समय में शिक्षा और कौशल विकास के बीच तालमेल नहीं दिख रहा है। शिक्षा के माध्यम से कौशल का विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। हमारे अकादमिक कल-कारखानों से लाखों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए आदि की भारी-भरकम डिग्रियां लेकर युवा बाहर निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कौशलयुक्त एवं ज्ञानवान नहीं हैं। ऐसे लोग किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते हैं, लेकिन होनहार के लिए रोजगार की कमी नहीं है। तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले, भले ही डिग्री एवं अंग्रेजी के मामले में पीछे होते हैं, लेकिन वे हर किस्म की मुश्किलों को आसानी से सुलझा सकते हैं। किसी कार्य को करने के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल की जरूरत होती है।

हमारे देश के स्कूल व कॉलेज के अध्यापकों का मानना है कि जो बच्चा लगातार हर परीक्षा में अव्वल आ रहा है, उसी को सिर्फ होनहार माना जा सकता है। इसमें दो मत नहीं है कि स्कूल-कॉलेजों में प्राप्त अच्छे अंक छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, किंतु इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि हम इसे मेधावी होने या न होने का प्रमाण मानें। किसी विषय में कम या ज्यादा अंक प्राप्त करने से किसी भी छात्र को मेधावी या कमअक्ल नहीं माना जा सकता है। हर विषय में हर छात्र की रुचि का होना जरूरी नहीं है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन की रुचि केवल भौतिक विज्ञान में थी। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। लता मंगेशकर की भी गणित या विज्ञान में रुचि नहीं थी। सचिन तेंदुलकर या महेंद्र सिंह धोनी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा है, लेकिन वे अपने क्षेत्र में महान हैं। समाज में ऐसे जीनियसों के सैकड़ों उदाहरण हैं।

दूसरा पहलू यह है कि परीक्षा के समय में कोई छात्र बीमार हो सकता है या फिर उसकी रुचि पढ़ाई के प्रति गलत संगत के कारण शुरुआती दिनों में नहीं हो सकती है। अक्सर देखा जाता है कि ऐसे छात्र सही वक्त पर मेहनत करके हमेशा जागरूक रहने वाले छात्रों से जीवन की परीक्षा में बाजी मार लेते हैं। यहां फंडा 'जब जागा तभी सवेरा' वाला काम करता है। जिस छात्र के अंदर जीवन में सफलता हासिल करने की जिजीविषा जाग्रत हो जाती है वह हर कक्षा में तृतीय या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद आईएएस की परीक्षा में शीर्ष 20 या 50 में स्थान बनाने में सफल हो जाते हैं।नौकरी को यदि सफलता का पैमाना नहीं भी मानें तो भी ऐसा कुछ करने के लिए कृत संकल्पित छात्र जीवन की नई ऊंचाइयों को छूने में सफल हो जाता है। फिल्म 'थ्री इडियट्स' में दिखाये गए दर्शन को भी हम नकार नहीं सकते हैं। जरूरी नहीं कि हर बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बने। आज दुनिया में करने के लिए इतने सारे क्षेत्र हैं कि आप किसी बच्चे को कमतर नहीं मान सकते हैं। यह बस आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि आप

किसे होनहार मानते हैं।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने वर्ष, 2013 में पहली बार प्रारम्भिक और मुख्य परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक किया था, जिसमें 1004 अभ्यर्थी सफल हुए थे और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशी ने समग्र रूप 53 प्रतिशत अंक हासिल किये थे, जबकि अंतिम पायदान पर सफल रहने वाले अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे। पूर्व में यह धारणा थी कि यूपीएससी की परीक्षा में 75 से 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही सफल होते हैं। यूपीएससी की बात छोड़ दें तो अभी भी बहुत सारी सरकारी एजेंसियां मसलन, राज्य सेवा आयोग, बैंक, रेलवे, कर्मचारी चयन आयोग आदि सफल उम्मीदवारों के अंकों को सार्वजनिक नहीं करते हैं। एक तरफ दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में छात्र 100 प्रतिशत नंबर ला रहे हैं, तो दूसरी तरफ यूपीएससी की परीक्षा में एक सामान्य वर्ग का उम्मीदवार लिखित परीक्षा में सिर्फ 30 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अंतिम रूप से चयनित हो जाता है। सवाल का उठना लाजिमी है कि क्या आजकल दसवीं और बारहवीं में 100 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र प्रतियोगी परीक्षा में शामिल नहीं हो रहे हैं या वे शामिल तो हो रहे हैं, पर उनकी होनहारता की धार कुंद पड़ गई है या फिर दसवीं और बारहवीं में दिये जा रहे 100 प्रतिशत अंक का पैमाना गलत है? हालात तो इतने बदतर हैं कि बैंक या अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कर्मचारियों की भर्ती हेतु आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 100 तो छोड़िए 60 प्रतिशत अंक भी स्कोर नहीं कर पाते हैं।

देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई एवं अन्य रोजगारपरक शिक्षा की शुरुआत जरूर की गई है, लेकिन इन पाठ्यक्रमों की सार्थकता नाममात्र की है। यहां से पढ़कर बाहर निकलने के बाद भी अधिकांश युवा कौशलहीन होते हैं, जबकि हुनरमंद युवा देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में हमेशा आगे रहते हैं। हुनरमंद बेरोजगार नहीं रहता है। वह आसानी से अपने परिवार का भरण-पोषण कर लेता है। बढ़ई, लोहार, प्लम्बर, बिजली मिस्त्री, राज मिस्त्री, वाहन की मरम्मत करने वाले कारीगर आदि कभी भी भूखे नहीं मरते हैं। ये सरकार को कर भी देते हैं और देश के अर्थ चक्र को गतिमान भी रखते हैं। अस्तु, आज सरकार को डिग्री बांटने की जगह युवाओं को हुनरमंद बनाने पर जोर देना चाहिए। उन्हें योग्यतानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि सभी के ज्ञान का स्तर एक समान नहीं होता है, पर निरंतर मेहनत सभी कर सकते हैं। मामले में अंकों की बाजीगीरी की तह तक पहुंचने की भी आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो सरकार और लोग स्वतः कौशल विकास को प्राथमिकता देंगे।

- साभार

गुजरात के मातुश्री काशीबा हरिभाई गोठी चेरिटेबल ट्रस्ट ने दी राशि

महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम में बनेगा 80 लाख का नया भवन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी में नये भवन का भूमिपूजन और शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य यजमान जमानी के हेमंत दुबे और अनिता दुबे रहे। इटारसी, जमानी, सिवनी मालवा सहित आसपास के ग्रामीणजन भी उपस्थित थे। परोपकारी सभा अजमेर द्वारा संचालित महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी में अब बटुकों के लिए नया भवन होगा। भूमिपूजन से पूर्व यहां यज्ञ किया गया। गुजरात के ट्रस्ट ने इस भवन निर्माण के लिए 80 लाख रुपए दान दिये हैं और भवन निर्माण भी वही करा रहे हैं। करीब साढ़े तीन माह में भवन बनकर मातुश्री काशीबा हरिभाई गोठी चेरिटेबल ट्रस्ट परोपकारिणी सभा अजमेर को सौंप देगा।

इस तरह का होगा भवन

इस नये भवन का कुल एरिया 28.5 गुणा 96.5 वर्गफुट होगा। दो मंजिला भवन में 16.5 गुणा 40 वर्ग फुट के दो हाल ऊपर-नीचे रहेंगे। एक 10 गुणा 26 वर्गफुट का कमरा लैटबाथ अटैच रहेगा। ऊपर और नीचे मिलाकर कुल 14 लैटबाथ रहेंगे। इसके अलावा 10 गुणा 57 वर्गफुट का एक बरामदा रहेगा। गुजरात से आए मुनि सत्यजीत ने महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी की स्थापना काल से अब तक की यात्रा सुनाई। स्वामी ऋचस्पति ने कहा कि यह आनंद का विषय है कि अब यहां नये भवन में बटुक वेदों की शिक्षा ग्रहण करेंगे। हम भगवान की कृपा से मनुष्य जन्म पाकर शुभ कार्य कर पाते हैं, ऐसा ही यह शुभ कार्य मातुश्री काशीबा हरिभाई गोठी चेरिटेबल ट्रस्ट कर रहा है। महर्षि दयानंद ने कहा था कि वेदों की ओर लौटो, संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य है। महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी के आचार्य सत्यप्रिय ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया और ट्रस्ट का उद्देश्य बताया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष जयकिशोर चौधरी ने काशीबा हरिभाई गोठी चेरिटेबल ट्रस्ट को इस शुभ कार्य के लिए धन्यवाद दिया। मुख्य यजमान हेमंत दुबे ने गुरुकुल में पढने वाले गरीब परिवारों के बच्चों की स्थिति की जानकारी दी और कहा कि ट्रस्ट ने बिना शोर किया इतना बड़ा काम किया है, उनके लिए धन्यवाद छोटा शब्द है, हमसे भी यथासंभव जो सहयोग बनेगा पहले भी किया और आगे भी करते रहेंगे।

आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम में हुआ राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन

नर्मदापुरम। जून माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में राष्ट-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ। सामूहिक गायन में डीसीआर गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त जे सी दोहरे सहित आयुक्त कार्यालय भवन में स्थित सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा 8 जून से 20 जून तक होगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा मण्डल की हाईस्कूल / हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा वर्ष 2024 08 जून 2024 से 20 जून 2024 तक आयोजित होगी। कलेक्टर सोनिया मीना ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षा के संचालन हेतु गोपनीय सामग्री का वितरण जिला स्तर पर जिला समन्वयक संस्था, शासकीय उत्कृष्ट उमा विधालय नर्मदापुरम से दिनांक 06/06/2024 के माध्यम से जिला कलेक्टर के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में देवशंकर धुर्वे, तहसीलदार (नगर) नर्मदापुरम को अधिकृत कर नियुक्त किया गया है एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में सुरक्षा व्यवस्था के अधीन परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों को प्रश्न पत्रों के बॉक्स का वितरण एंव प्रश्न पत्रों के बॉक्स निकटतम थाने / चौकी में पूर्व वर्षो की भांति रखवाया जावेगा। मण्डल की परीक्षा हेतु जिले के 08 पुलिस थानो से परीक्षा की गोपनीय सामग्री निकालने एंव 08 परीक्षा केन्द्र तक पहुचाने हेतु परीक्षा केन्द्रवार ÷कलेक्टर प्रतिनिधि÷ नियुक्त किये गए है। प्रत्येक थाने से गोपनीय सामग्री (प्रश्न पत्र) निकालते समय केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं परीक्षा केन्द्र पर सुरक्षित पहुँचाने हेतु संबंधित अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्?द्रो के लिए नियुक्त उड़नदस्ता दल/ कलेक्टर प्रतिनिधि / थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी साथ में रहेगें जो केन्द्राध्यक्ष के साथ परीक्षा केन्द्र पर जाकर नियत समय पर निर्देशानुसार प्रश्न पत्र पैकेट खोलने व परीक्षा प्रारंभ होने तक उपस्थित रहेगें।

कलेक्टर सुश्री मीना ने सर्व संबंधितो को निर्देशित किया है कि वे जिले के 08 पुलिस थानो से परीक्षा की गोपनीय सामग्री निकालने हेतु थानो में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहकर संबंधित थानों से परीक्षा सामग्री निकालकर 08 परीक्षा केन्द्रों तक सुरक्षित पहुँचाने के लिए केन्द्राध्यक्ष का सहयोग करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सुश्री मीना ने बताया है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल म0प्र0 भोपाल के निर्देशानुसार जो कार्यवाही की जाना है उसके अनुसार प्रत्येक थाने से गोपनीय सामग्री निकालने हेतु केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं कलेक्टर के प्रतिनिधि के समक्ष प्रश्न पत्र थाने से निकालने की कार्यवाही की जावेगी, कलेक्टर के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति में संबंधित केन्द्राध्यक्ष द्वारा जिला कलेक्टर अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत (नोडल अधिकारी) को दूरभाष पर सूचित कर उनके निर्देशानुसार थाने से प्रश्न पत्र निकालने की कार्यवाही करेंगे। प्रश्न पत्र निकालते समय प्रत्येक दिन केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं कलेक्टर प्रतिनिधि थाने में रखी अभिरक्षा पंजी क्रमांक-1 में निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष प्रतिदिन ड्यूटी (एक दिन केन्द्राध्यक्ष एवं दूसरे दिन सहायक केन्द्राध्यक्ष) बदलकर प्रश्न पत्र के पैकेटस स्वयं निकालते समय पुलिस स्टेशन पर रखी अभिरक्षा पंजी क0-1 व परीक्षा केन्द्र पर रखी अभिरक्षा पंजी क0-2 में यथास्थान प्रविष्टिया कर हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर सुश्री मीना ने तहसीलदार (नगर / ग्रामीण) नर्मदापुरम / माखननगर/ सोहागपुर/ पिपरिया / बनखेड़ी / सिवनीमालवा / केसला (तहसीलदार-इटारसी) को निर्देशित किया है कि मण्डल परीक्षा में अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले थाने / परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा सामग्री ले जाने वाले नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित करावे तथा अनुपस्थिति की स्थिति में अपने स्तर से रिजर्व अधिकारी/कर्मचारी नियुक्त कर इस कार्यालय एवं जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

कॉलेजों में रैगिंग रोकने के लिए जिला स्तरीय एंटी रैगिंग समिति का गठन

नर्मदापुरम। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में एक जिला स्तरीय एंटी रैगिंग समिति का गठन किया जाना है। कलेक्टर सोनिया मीना ने जिला स्तरीय एंटी रैगिंग समिति का गठन किया है। समिति में कलेक्टर अध्यक्ष, विश्वविधालय / कालेज / संस्थान के प्रमुख, जिले के पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (एडीएम), स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि, जिला स्तरीय गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय पुलिस सदस्य रहेंगे। कलेक्टर सुश्री मीना ने पुलिस अधीक्षक, जनसंपर्क अधिकारी, उप संचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय से कहा है कि वे 3 दिवस में मीडिया प्रतिनिधि, जिला स्तरीय गैर सरकारी संगठन एवं छात्र संगठनो के प्रतिनिधि तथा स्थानीय पुलिस के प्रतिनिधि आदि के नामो के प्रस्ताव तीन दिवस में कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम को अनिवार्य रूप से प्रेषित करना सुनिश्चित करें ताकि जिला स्तरीय एंटी रैगिंग समिति का गठन नियमानुसार निर्धारित समयसीमा में किया जा सके।

फीस वृद्धि पर कलेक्टर ने निजी स्कूल पर लगाया दो लाख रुपए का जुर्माना

सीहोर। सीहोर के सेन्ट एन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल द्वारा फीस वृद्धि और एक ही दुकान से छात्र-छात्राओं को पुस्तकें खरीदने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने इन शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए जांच के निर्देश दिए थे। जांच के लिए चार सदस्यों का दल गठित किया गया था। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर पर कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सेन्ट एन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। साथ ही जुर्माने की राशि सात दिवस के भीतर जमा करने के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर ने बताया कि 14 जुलाई 2023 को फीस वृद्धि तथा छात्र-छात्राओं द्वारा एक ही दुकान से पुस्तकें क्रय करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। इस संबंध में संबंधित स्कूल के प्राचार्य/संचालक को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया था। सूचना पत्र का जवाब समाधान कारक नहीं पाए जाने पर 18 दिसंबर 2023 को कलेक्टर प्रवीण सिंह ने चार सदस्यीय जांच दल गठित कर जांच करने के निर्देश दिए गए थे।

सरल संयोजन पोर्टल पर अब ऑनलाइन आवेदन करने पर तत्काल मिल रहा बिजली कनेक्शन

सीहोर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को अब सरल संयोजन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर तुरंत नए कनेक्श दिए जा रहे हैं। पोर्टल पर आवेदन करते ही निर्धारित समयावधि में तत्काल नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए बिजली कंपनी के पोर्टल portal.mpcz.in पर उपभोक्ताओं को नये कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। गूगल पर https:// saralsanyojan. mpcz.in लिंक को ओपन करते ही सरल संयोजन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। साथ ही ह्वश्वड्ड4 अथवा यूपीआई/डेबिट कार्ड के जरिए आनलाइन शुल्क भी जमा करना होगा। इसके तुरंत बाद ही उपभोक्ता को एक एसएमएस के माध्यम से आवेदन स्वीकृति मिल जाएगी। इसके पश्चात बिजली कंपनी द्वारा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर विधिवत किए गए ऑनलाइन आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कंपनी की ओर से स्टेप बाई स्टेप कंफर्मेशन दिया जाएगा। बिजली कर्मचारी द्वारा सर्वे करने के बाद लाइनमेन नये कनेक्शन के लिए मीटर लेकर उपभोक्ता के परिसर में पहुँच जाएगा। ऑनलाइन आवेदन में बिजली खंभे से उपभोक्ता के परिसर में स्थापित होने वाले मीटर की दूरी तक सर्विस केबल लगाने की सुविधा सशुल्क मुहैया कराई जाएगी।

ग्रीष्मकालीन कराटे प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ब्लॉक नर्मदापुरम में ग्रीष्मकालीन कराटे का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उमा पटेल ने बताया है कि डॉ गुरुकरन सिंह पुलिस अधीक्षक एवं स्नेहा चंदेल रक्षित निरीक्षक नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन में 60 - 70 खिलाड़ी प्रतिदिन सायंकाल कराटे कोच रोशनी सोनकर से कराते का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है, इसी प्रकार पुलिस लाईन में ही फुटबॉल कोच- विजय पुरोहित द्वारा 80 खिलाड़ियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ?। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के प्रांगण में सायंकाल 5-30 से 7-30 बजे तक करीब 30-40 बालक बालिका खिलाड़ी कराटे का प्रशिक्षण ले रहे हैं ,आज के समय स्वयं के बल पर आत्मनिर्भर, आत्म रक्षा करने के सेल्फ डिफेंस,कांता फाइट इत्यादि में नवयुवक, नवयुवती को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उमा पटेल एवं ब्लाक समन्वयक महेंद्र पचलानिया द्वारा समय समय पर सहयोग दिया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर मलेरिया जागरूकता रथ किया रवाना

नागरिकों से मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वच्छता बनाए रखने की अपील की

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय से मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मच्छर जनित रोगों के प्रति जागरूकता लाने के लिए जून माह को मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। इस माह में मच्छरों की उत्पत्ति एवं मलेरिया तथा अन्य वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रचार- प्रसार भी किया जाता है। इसके अंतर्गत मलेरिया के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से मलेरिया रथ रवाना किया गया है। जागरूकता रथ द्वारा गॉव-गॉव में जाकर मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम के बारे में प्रचार- प्रसार किया जाएगा। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने जिले के नागरिकों से डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए अपने घरों और आसपास साफ सफाई और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मलेरिया, डेंगू की बीमारियां फैलने का प्रमुख कारण अपने घरों के आस-पास गंदा पानी भरा होना, साफ-सफाई नहीं होना एवं कचरा फैला हुआ होना है जिससे बीमारियां फैलती है। उन्होंने कहा कि डेंगू मलेरिया बीमारी को रोकने के लिए पुराने टायर, खराब सामान, और अन्य ऐसी वस्तुएं जिसमें पानी जमा होता है उन्हें हटाना होगा ताकि पानी जमा न हो सके।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हेंडपंप के पास गंदा पानी भरा हुआ न हो ओर स्वच्छता बनाये रखना जरूरी हे। मलेरिया से लड़ने का सबसे कारगर उपाय अपने घरों और आस पास साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखना हैं। डेंगू मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से एंटीमलेरियल दवाइयों का उपयोग करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभाग अपना कार्य करते हैं लेकिन जन जागरूकता और जनभागीदारी से डेंगू मलेरिया को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

खनन माफियाओं पर कार्यवाही के लिए अब किसका इंतजार

नहीं कर पा रहे किसी खनन माफिया पर कार्यवाही

अवैध उत्खनन कार्यों के आगे प्रशासन ने टेके घुटने

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज नगर के आसपास जिस तरह से आदर्श आचार संहिता के चलते पिछले दो माह में अवैध उत्खनन कारियों द्वारा धरती को छलनी किया गया है।वह प्रशासन की हालिया कार्य प्रणाली पर सवाल उठाता है,, क्योंकि यह अवैध उत्खनन प्रतिदिन अधिकारियों के इर्द-गिर्द से लाल मिट्टी (मुरम) कोपरा बोलडर के वाहन ले जाते दिखाई पड़ते हैं, लेकिन प्रशासन के सुस्त रवैया या यूं कह ले,,दोनो की मिली भगत के चलते इन पर एक भी कार्यवाही सुनिश्चित नहीं हो पाई है ,, इससे तो यही मालूम पड़ता है कि क्या यह अवैध उत्खनन मिली भगत के चलते किया जा रहा है ? तभी तो यह उत्खनन का कारोबार पुरजोर तरीके से आंख बंद करके चल रहा हो निर्बाध रुपए जारी है !

आचार संहिता का भी मखोल

यह जानते हुए भी की देश में चुनावी माहौल के चलते आदर्श आचार संहिता लगी हुई है जिसमें कोई नए कार्य या अवैधानिक कार्य करने पर कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है , फिर भी जिस तरह आदर्श आचार संहिता में यह अवैध उत्खनन हुआ वह सोचते ही बनता है ? मानो इन खनन माफियाओं को किसी का डर या खोफ नही है,,क्या यहां भी योगी जी आकर माफिया विरोधी कार्यवाही करेंगे ? शायद नहीं क्योंकि इतना उत्खनन तो पहले कभी देखने को नहीं मिला जबकि इन उत्खनन कार्यो ने ऐसी ऐसी नई जगह चिन्हित की है की किसी को भनक भी ना लगे ! और इनका काम बस्ती के इर्द-गिर्द से ही होता रहे।

अधिकतर रात्रि में होता है अवैध उत्खनन

वैसे तो इन अवैध उत्खनन कार्यों को क्या रात हो और क्या दिन, 24 घंटे यह अवैध उत्खनन के काम में लगे रहते हैं ? कभी नगर में तो कभी दूर जंगल में ! किंतु चुनाव के बाद एक नई तरह की रूपरेखा तैयार कर अब यह उत्खनन दिन की जगह रात में 10 बजे से सुबह 6 तक चालू रहता है ,,दिन भर यह अपनी व्यवस्थाएं लगाने में जुटे रहते हैं,, इधर-उधर की जानकारियां एकत्रित कर पूर्णता आश्वस्त होकर रात्रि 10 बजे से यह अपना अवैध उत्खनन का कार्य प्रारंभ कर ही देते हैं ।

रोजाना लगा रहे राजस्व विभाग को लाखों रुपए का चूना

देखा जाए तो यह उत्खनन बगैर अनुमति बगैर परमिशन के होता है ,, जिसके कारण राजस्व विभाग को लाखों रुपए तक का ये माफिया अभी तक उत्खनन करके चूना लगा चुके हैं ! तो क्या यह मान लिया जाए कि इन अवैध उत्खनन कारोबारी या माफियाओं पर नकेल कसना लटेरी के अधिकारियों के बस की बात नहीं है ! तो क्या इसके लिए जिले के अधिकारीयो को ही कदम उठाना होगा जिससे लाखो रूपए के लगने बाले चूना से राजस्व एवं सरकार को बचाया जा सके।

चिन्हित जगह पर ही होता है उत्खनन

अवैध उत्खननकारी यानी मध्यप्रदेश का माफिया ने अपनी जगह को ऐसे चिन्हित कर रखा है मानो अधिकारियों ने इनको उन जगहों का पटटा ला कर दिया हो ! कि आप इन जगहों पर अवैध रूप से उत्खनन करें ! जिसमें मुख्य रूप से एसडीएम बंगले के पीछे मदन पुर की ओर का क्षेत्र, श्री जी पुरम कॉलोनी के पास की तलैया , तलाब के पीछे वन विभाग का पीछे का हिस्सा, शमशाबाद रोड मंडेला रोड़ , काछी खेड़ा, परवरियां, बापचा, महोटी ,उनारसी कला ,राजपुर पठार , खैर खेड़ी ,आनंदपुर , सहित कई जगहों पर यह उत्खनन होता है, दनवास, जमोनिया कला, टोंकरा, रूसिया , रुसल्ली साहू, बलराम पुर , धरगा,, बरखेड़ा घोसी, जगत पुर,,इन जगहों की सूचना अधिकारियों को होने के बावजूद भी अभी तक कार्यवाही नहीं हो सकी है ! जबकि इसकी सूचना आम नागरिक एवं मीडिया कर्मियों के द्वारा भी सूचना समय-समय पर अधिकारियों को दी जाती रही है ! किंतु अधिकारियों ने ऐसा मौन साध रखा है मानो यह सब मिली भगत से ही संभव रहा हो नही उठाए जाते कोई फोन ,ओर फोन उठा भी लें तो कह दिया जाता है की हम दिखबाते हैं।

कभी भी बड़े हादसों का कारण बन सकता है ये उत्खनन

यह कहना गलत नहीं होगा कि यह अवैध उत्खनन जिस तरह से किया जा रहा है आगे चलकर दुर्घटनाओ का कारण बन सकता है,, क्योंकि पूर्व में भी इस तरह की गहरी गहरी खाई बना दी गई थी जिसमें कई घटना घटी हैं,, किंतु अब यह है उत्खनन नगर की बस्तियों के बीचो-बीच हो रहा है ,,, जिसमें गहरा पानी भर जाने के बाद कई बच्चों के हादसे होने की आशंका हमेशा बनी रहेगी ,, क्योंकि बच्चे वहां खेलते हैं,,,

जिसका जिम्मेदार कौन होगा यह सवाल अभी बना हुआ है ,

समय रहते इस अवैध उत्खनन पर नकेल नहीं कसी गई तो बस्ती को इसका भयानक परिणाम भुगतना पड़ेगा !ओर इसके लिए यहां के अधिकारी ही जिम्मेदार माने जायेंगे जिनकी खामोशी या मर्जी से ये सब अवैध खनन संभव हो रहा हैं ! तब ऐसी स्थिति में नगर बस्ती के लोगों द्वारा इन अवैध उत्खननकार्य की सूचना जिले के कलेक्टर महोदय को भी दी गई ! तथा साथ खनिज अधिकारी को भी इस बात से अवगत कराया गया है ,, जिसमें उन्होंने सूचना पाते ही कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए कहा है ,, कि यदि ऐसा है तो इन लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी !

एसडीएम ने आर आई और पटवारी पर कसा शिकंजा

जारी किया नोटिस 3 दिन में मांगा जवाब, किसानों को लूटने में जुटे हैं कई पटवारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एसडीएम के आदेश के विपरीत अमल करने एवं नक्शे में छेड़छाड़ करने के मामले में सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने राजस्व निरीक्षक और पटवारी को नोटिस जारी कर तीन दिवस में जवाब मांगा है। संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि किसान की शिकायत पर दोपहर मेट्रो ने आर आई और पटवारी के अजब गजब कारनामे की खबर प्रमुखता से सोमवार के अंक में प्रकाशित की थी। जिसको संज्ञान में लेकर एसडीएम ने पटवारी पंकज श्रीवास्तव और आरआई अमित गुप्ता पर शिकंजा कसते हुए तीन दिवस में नोटिस का जवाब मांगा है। उचित जवाब नहीं मिलने पर दंडात्मक कार्रवाई भी हो सकती है। क्योंकि इनके द्वारा रिकॉर्ड में हेर फेर कर तहसीलदार के आदेश के विपरीत भू अभिलेख में अमल किया है जो पूर्णता नियम विरोध है तथा 420 के अंतर्गत आता है। वहीं इस कार्यवाही ने ग्रामीणों में भी भरोसे की आस जग गई है। वही तहसीलदार संजय चौरसिया के द्वारा भी आर आई और पटवारी को कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

एक आरआई होने का उठा रहे हैं फायदा

वर्तमान में सिरोंज तहसील में एक ही राजस्व निरीक्षक है जिसके कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि राजस्व निरीक्षक और पटवारी अपनी मनमानी करने में लगे हुए हैं। जबकि विदिशा कलेक्टर बुद्धेश्वर कुमार वैद ने सीमांकन के लंबित प्रकरणों में प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद अधिकारी अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। विगत दिनों पूर्व सीमांकन के बदले में पैसे लेने का मामला सामने आया था। जिसमें पटवारी और एक किसान के बीच की बातचीत का ऑडियो बहूप्रसारित हुआ था। जिसमें पटवारी किसान से पैसे लेने की बात कर रहा था। हालांकि इस मामले पर एसडीएम ने नोटिस जारी कर पटवारी और आरआई से जवाब मांगा था, लेकिन पटवारी ने अभी तक कोई उचित जवाब नहीं दिया। जिससे साफ प्रतीत होता है कि इन भ्रष्ट कर्मचारियों के हौसले बुलंद है जिसके कारण यह अधिकारियों के नोटिस के जवाब देना भी यह लोग उचित नहीं समझ रहे हैं। अब देखना होगा कि शासकीय रिकॉर्ड में गड़बड़ झाला करने वाले आर आई और पटवारी पर क्या ठोस कार्रवाई जिम्मेदार कर पाएंगे या नहीं। या फिर हर बार की तरह राजनीतिक संरक्षण होने के कारण यह लोग बच जाएंगे और किसान इसी तरह क शिकार होते रहेंगे।

एक हफ्ते में एक दर्जन से अधिक मामले

सीमांकन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं जिसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली। यही कारण है कि किसान लगातार परेशान हो रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से लगातार राजस्व निरीक्षक और अलग अलग हल्का पटवारीयों की शिकायत सामने आ रही हैं। जिसमें तीन दिन पूर्व किसान और एक पटवारी की पैसे लेने संबंधित एक ऑडियो वायरल हुई थी। जिसके बाद एसडीएम ने नोटिस जारी कर आरआई, पटवारी से जवाब मांगा था। इसके बाद दूसरा मामला झंडवा गांव की महिला किसान मीराबाई ने एसडीएम को आवेदन देकर सीमांकन नहीं करने एवं पटवारी द्वारा पैसे मांगने की शिकायत की है। इसके बाद भी अभी कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली। ऐसा ही तीसरा मामला कांकरखेड़ी गांव का है जहां किसान रमेश की जमीन मैं गड़बड़ी करते हुए नक्शे में भी फेरबदल किया है। चौथा मामला ईकोदिया निवासी किसान विपिन रघुवंशी का है, जिन्होंने नामांतरण के लिए फाइल लगाई थी समस्त दस्तावेज एवं चार बार गवाही होने के बावजूद भी आखरी में पैसे नहीं देने के कारण उनके आवेदन को निरस्त कर दिया जिसका आरोप उन्होंने लगाया है।

इनका कहना है

किसान की शिकायत और खबर को संज्ञान में लेकर आर आई और पटवारी को नोटिस जारी करतीन दिन में जवाब मांगा है, यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

हर्षल चौधरी, *एसडीएम सिरोंज*

पर्यावरण प्रेमियों ने बच्चों के बीच मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

सिरोंज। पर्यावरण दिवस पर बच्चों ने कबाड़ से मॉडल तैयार किए और जल ही जीवन को लेकर पेंटिंग शीट बनाई पर्यावरण प्रेमी वीर सिंह लोधी ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के बारे मैं बताया कि प्रति वर्ष अधिक से अधिक पेड़ लगाना है और उनकी देख - रेख करना चाहिए। वही विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूल परिसर मै वृक्षारोपण किया गया।इस दौरान कालूराम , रामकुमार नामदेव हटेसिंह राजपूत मालवीय सरपंच लक्ष्मणसिंह राजपूत सहायक सचिव महेश ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रश्मी राजपूत, आशा कार्यकर्ता बंधना राजपूत, एवं मैजिक बस से अनिकेष, अनिकेत संजीव, एवम सभी ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

दीपनाखेड़ा पंचायत में ग्रेवल सड़क के दौरान काट दिए वर्षों पुराने नीम, आम, पीपल के वृक्ष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विकास के नाम पर तो कहीं निजी स्वार्थों के चलते पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। शहर और आसपास के गांव में ऐसी अनेक उदाहरण हैं, जहां सैकड़ों पेड़ काटने के बाद एक भी पेड़ नहीं लगाया गया। ऐसा ही एक मामला सोमवार को सामने आया जहां पर दीपनाखेड़ा पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा ग्रेवल सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है इस कार्य के दौरान पोकलेन मशीन के माध्यम से सैकड़ो की तादाद में बड़े-बड़े वृक्ष काट दिए गए। जिसमें नीम, आम, पीपल सहित अनेक प्रकार के छायादार एवं ऑक्सीजन युक्त वर्षो पुराने वृक्ष थे। गजब की बात तो यह है कि इतने बड़े बरसों पुराने वृक्षों को काट दिया और परमिशन लेना था उचित नहीं समझा। जबकि शासन प्रशासन लगातार लोगों को जागरुक कर पौधारोपण करवा रहे है, वहीं इसके विपरीत पंचायत के जिम्मेदार किस तरह वर्षो पुराने वृक्षों को काटकर शासन के निर्देशों को हवा में उड़ा रहे हैं। जबकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनेक संस्थाएं विशेष अभियान चला रही हैं। लोगों को पौधे लगाने के लिए जागरुक किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन से अनुमित लिए बिना ही हरे भरे पड़े काटे जा रहे हैं। सोमवार को ग्रामीण एसडीम के शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। जिसमें दीपनाखेडा निवासी दोजा अहिरवार, आदि ने कहा कि हमारे गांव में ग्रेबल सड़क निर्माण कार्य चल रहा है जिसके दौरान रोड से दूर खेत के अंदर फल दार वृक्षों का हनन किया जा रहा है। वही दोजा अहिरवार का कहना है की 2001 में शासन द्वारा भूमि सर्वे क्रमांक 537 रकबा 0. 620 है. पटटा शासन द्वारा मुझे आवंटित किया गया था।

इनका कहना है -

संबंधित नयाब तहसीलदार को भेज कर हम जांच करवाते हैं, यदि वर्षों पुराने वृक्षों को काटा गया है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। - ***हर्षल चौधरी*** *एसडीएम*

अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

सिरोंज। थाना गंजबासौदा देहात पुलिस द्वारा 01 आरोपी के कब्जे से 300 क्वार्टर (54 लीटर) शराब और कार सहित कीमती लगभग 39,000/- रूपये की जप्त की गई।

कम मतदान के बाद भी बुंदेलखंड में बाजी मारती बीजेपी

रवीन्द्र व्यास

देश की दशा और दिशा तय करने वाला 2024 का लोकसभा चुनाव। जिसके लिए देश के मतदाताओं ने 19 अप्रैल से 1 जून तक चले सात चरणों के चुनाव में मतदान किया, किसके हाथ में देश का भविष्य होगा इस परिणाम को जानने के लिए 4 जून का सब को इंतिजार है। यह वह चुनाव है जिसमे देश के नेताओं की नहीं बल्कि देश की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। एक ओर घर के विभीषण थे तो दूसरी ओर वे विदेशी शक्तियां लगी थी जो किसी भी कीमत पर देश में ऐसी सरकार नहीं चाहती थी जो उन्हें आँख दिखा सके। ये शक्तियां तब कुछ ज्यादा ही उत्साहित हो गई थी जब पहले तीन चरणों में मतदान प्रतिशत घटा। बुंदेलखंड में भी इसका व्यापक असर देखने को मिला। एमपी वाले बुंदेलखंड में मतदान प्रतिशत 11 फीसदी तक घटा , यूपी वाले बुंदेलखंड में यह गिरावट मात्र दो फीसदी तक ही रही। मतदान क्यों कम रहा इसकी अपनी एक अलग कहानी है।

चुनाव के पहले आ रहे मतदाता सर्वे ने एक रुझान स्पष्ट कर दिया था कि देश में फिर से बीजेपी की मोदी सरकार प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रही है। रुझानों का असर ना सिर्फ मतदाताओं पर देखने को मिला बल्कि राजनैतिक पार्टियों पर भी देखने को मिला। विपक्ष हताश हुआ और बड़ी संख्या में लोगों का दलबदल हुआ। पर सर्वेक्षणो का असर सत्ताधारी दल पर देखने को नहीं मिला। उनका प्रचार तंत्र यथावत जारी रहा जबकि विपक्ष का प्रचार अभियान बुंदेलखंड में ना के बराबर रहा। दरअसल इन सर्वेक्षणों ने बुंदेलखंड के मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी इस मामले में उदासीन कर दिया। जिसका परिणाम ये हुआ कि सागर संभाग की चार लोकसभा सीटों पर मतदान प्रतिशत 2019 के मुकाबले ज्यादा गिरावट देखने को मिली। दमोह संसदीय क्षेत्र में पिछले चुनाव के मुकाबले 9. 35 फीसदी , खजुराहो में सबसे ज्यादा ,11. 34 फीसदी ,टीकमगढ़ में सबसे कम 6. 62 प्रतिशत की कमी देखने को मिली। जबकि सागर संसदीय क्षेत्र में इसका अपवाद भी देखने को मिला यहाँ 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में .21 प्रतिशत ज्यादा मत पड़े। सागर में मतदान चौथे चरण में 13 मई को हुए जबकि बाकी पर मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रेल को हुआ था।

उत्तर प्रदेश वाले बुंदेलखंड इलाके में भी चार संसदीय क्षेत्र आते हैं। यहाँ पांचवे चरण में 20 मई को हुए चुनाव में झांसी में पिछले चुनाव की तुलना में 3. 82 फीसदी की वृद्धि मतदान में रही। बांदा चित्रकूट में 1. 11 फीसदी की ,हमीरपुर - महोबा में 1.72 फीसदी की और जालौन में सबसे अधिक 2. 31 प्रतिशत की कमी देखने को मिली।

मतदान में कमी हार जीत के अंतर पर होगा असर

मतदान में कमी का असर प्रत्याशियों के हार जीत के अंतर पर असरकारी होगा। बुंदेलखंड में

बुंदेलखंड की डायरी

घटी हुई वोटिंग ने जरूर बीजेपी समर्थकों के माथे पर चिंता की लकीरें बना दी थी। मतदान बाद आ रही सर्वे रिपोर्ट के बाद अब वही चिंतित जन उत्साहित नजर आ रहे हैं। मतदान प्रतिशत घटने के पीछे एक बड़ी वजह यह मानी जा रही है कि लोगों ने मान लिया था कि हमारा नेता कौन है और कौन जीत रहा है । विपक्षी नेता कार्यकर्ता हताशा में घर बैठ गए , बीजेपी के कार्यकर्ता यह मान कर निश्चिंत भाव से काम करते रहे कि हम तो जीत रहे हैं। अगर आर एस एस केडर ने आगे बढ़ कर मतदान कराने में हिस्सेदारी ना निभाई होती तो मतदान प्रतिशत और ज्यादा नीचे पहुँच जाता। शुरुआत के दो चरणों के बाद कार्यकर्ताओं की कसावट के बाद इसका असर मतदान में देखने को मिला। सागर क्षेत्र का मतदान बढ़ना। उत्तर प्रदेश में पांचवे चरण के चुनाव में झांसी में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली जबकि बांदा ,हमीरपुर और जालौन में मामूली सी कमी ही देखने मिली।

चुनाव में गायब रहे मुद्दे

बुंदेलखंड जैसे पिछड़े और अविकसित क्षेत्र में चुनावी दौर में जल ,जंगल ,जमीन , और पलायन जैसा मुद्दा गायब रहा। जबकि बुंदेलखंड के ये वे बुनियादी मुद्दे हैं जिसका सीधा असर लोगों के जीवन पर पड़ता है। विकसित क्षेत्र में विकाश के मुद्दे गायब रहें यह तो समझ में आता है पर अविकसित क्षेत्र में बुनियादी मुद्दों का गायब रहना समझ से परे है। चुनाव में बीजेपी ने मोदी के कार्यकाल का विकाश की बात की , राम मंदिर निर्माण , धारा 370 की समाप्ति , आतंकवाद को करारा जवाब के साथ बुंदेलखंड में केन बेतवा लिंक परियोजना का मुद्दा जोर शोर से उठाया। लोगों को कोविद काल की याद भी दिलाई गई।

बीजेपी के लिए चुनौती विहीन बुंदेलखंड

2014 के बाद से बुंदेलखंड क्षेत्र एक तरह से बीजेपी का गढ़ बन गया है। बीजेपी के लिए चुनौती जो दे सकते थे वे भी अब धीरे धीरे राजनैतिक परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं। बीजेपी ने हिंदुत्व और गैर हिंदुत्व की ऐसी रेखा खींची है कि विपक्ष के ओबीसी ,दलित ,अल्पसंख्यक के सभी तीर निशाना चूक रहे हैं। हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी ने हिन्दू समाज के सभी अंगों को लामबंद किया। वहीं कांग्रेस राजनैतिक गलतियों पर गलतिया करती रही। मामला चाहे खजुराहो का हो अन्य क्षेत्रो में प्रत्यासी चयन का। गठबंधन धर्म के तहत खजुराहो सपा को सौंपी , उनके प्रत्यासी ने एक तरह से चुनाव से दूरी बना ली। असल में खेल निर्विरोध निर्वाचन का चल रहा था पर वह योजना बीजेपी के लिए फलीभूत नहीं हो पाई। दरअसल कांग्रेस अपने अंतरकलह के कारण इतने नीचे पहुँच गई है कि उसे वापस अपना आधार पाने के लिए बीजेपी की बड़ी गलतियों का इन्तजार करना पडेगा।

इन तमाम हालातों में यही कहा जा सकता है कि एमपी ,यूपी के बुंदेलखंड इलाके की सभी सीटों पर मतदान बाद के एक्जिट पोल के अनुमान सच साबित हो रहे हैं।

रिकॉर्ड 15वां खिताब जीत

रियाल की बादशाहत कायम की चैंपियंस पर बरसा पैसा

लंदन, एजेंसी

रियाल मैड्रिड ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रेकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार रात यहां वेम्बले स्टेडियम में खेले गए फाइनल में रियाल मैड्रिड ने बोरुसिया डोर्टमंड को 2-0 से शिकस्त दी और एक बार फिर अपनी बादशाहत कायम कर ली। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला लेकिन आखिर में बाजी रियाल मैड्रिड ने जीत ली।18वीं बार फाइनल में खेल रही रियाल मैड्रिड ने आखिरी बार 2022 में खिताब जीता था। रियाल मैड्रिड के बाद सर्वाधिक खिताब जीतने वाली टीम एसी मिलान है, जिसके नाम 7 खिताब है।

एंसेलोटी सर्वाधिक पांच खिताब जीतने वाले मैनेजर: रियाल मैड्रिड के कार्लो एंसेलोटी सर्वाधिक पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीतने वाले मैनेजर बन गए हैं। इस दौरान तीन बार उन्होंने रियाल मैड्रिड को चैंपियन बनाया है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर जिनेडिन जिदान और बॉब पेस्ली हैं। जिदान ने रियाल मैड्रिड को तीन बार और बॉब ने लिवरपूल को तीन-तीन बार खिताब दिलाए थे। रियाल मैड्रिड की जीत के हीरो दानी कार्वाजल और विनिसियस जूनियर रहे, जिन्होंने दस मिनट में बाजी पलट दी। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी लेकिन दूसरे हाफ में रियाल मैड्रिड ने दो गोल कर दिए। कार्वाजल ने 74वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें मिनट में गोल करके रियाल मैड्रिड को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

डोर्टमंड का 27 साल बाद चैंपियन बनने का सपना टूटा: बोरुसिया डोर्टमंड का 27 साल बाद चैंपियन बनने का सपना फिर टूट गया, जो आखिरी बार 1997 में चैंपियन बनी थी। डोर्टमंड कुल तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी और इससे पहले 2013 के फाइनल में भी हारी थी।

इंटरनेशनल क्रिकेट में दोनों टीमें सिर्फ 5 बार आमने-सामने हुई, वो भी वनडे में

वर्ल्ड कप में आज इंग्लैंड-स्कॉटलैंड पहली बार टी-20 मुकाबले में आमने-सामने

नईदिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड आज पहली बार टी-20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड की स्पोर्ट राइवलरी पुरानी है। शुरुआत होती है 1865 से, जब स्कॉटलैंड की नेशनल टीम ने 1865 में अपना पहला मैच इंग्लिश काउंटी सरे के खिलाफ खेला और इसे 172 रनों से जीता भी था। बाद में स्कॉटलैंड इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड में शामिल हो गया। स्कॉटलैंड से निकले कई खिलाड़ियों ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम में जगह बनाई। 1992 में स्कॉटलैंड ने इंग्लैंड के साथ क्रिकेट संबंध तोड़ लिए और 1994 में आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता प्राप्त की। अब बात डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड की। 8 महीने पहले ही टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता है और अब उसके सामने चुनौती खिताब बचाने की है। इंटरनेशनल क्रिकेट में दोनों टीमें सिर्फ 5 बार आमने-सामने हुई हैं, वो भी वनडे में।

पिछली भिड़ंत: 2018 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने मात्र एक वनडे खेलने के लिए स्कॉटलैंड जाने का फैसला किया। 10 जून 2018 को एडिनबरा में यह मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 5 विकेट पर 371 रन बनाए। इसमें कैलम मैक्लोड के बल्ले से नाबाद 140 रन की शतकीय पारी निकली। इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो ने 105 रन की पारी खेली। लगातार विकेट गिरने के चलते टीम 365 रन पर ऑलआउट हो गई। स्कॉटलैंड ने पहली बार इंग्लैंड को हराया।

मैच की अहमियत – इंग्लैंड के पास केसिंग्टन ओवल में खेलने की सुनहरी यादें हैं, क्योंकि यह वही जगह है जहां टीम ने 2010 में पॉल कॉलिंगवुड की कप्तानी में अपना पहला टी-20 वर्ल्ड कप खिताब जीता था, जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया था। उस जीत के बाद 14 साल में इंग्लैंड वाइट बॉल क्रिकेट में एक वनडे और एक टी-20 वर्ल्ड कप जीता। उधर, स्कॉटलैंड लगातार तीसरा टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है।

अफगानिस्तान की टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी सबसे बड़ी जीत, युगांडा को हराया

टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रन से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की रनों के हिसाब से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, टीम ने 2021 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड को 130 रन से हराया था। युगांडा ने मंगलवार को गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन बनाए और 184 रन का टारगेट दिया। जवाब में युगांडा 16 ओवर में 58 रन पर ऑलआउट हो गई। जो टी-20 वर्ल्ड कप में चौथा सबसे छोटा टीम टोटल है।अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई। इन दोनों बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान की तरफ से टी-20 वर्ल्ड कप में शतकीय साझेदारी हुई। अफगानिस्तान के लिए गुरबाज ने 45 गेंदों पर 4 चौके और 4 छक्के की मदद से सबसे ज्यादा 76 रन और जादरान ने 46 गेंदों पर 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 70 रन बनाए। युगांडा के लिए ब्रायन मसाबा और कोसमस क्यवुता ने दो-दो विकेट झटके।

नसाउ के बाउंसी विकेट पर सा.अफ्रीका से हारा श्रीलंका

35.3 ओवर में 157 रन बने और 14 विकेट गिरे...आंकड़े टेस्ट मैच जैसे हैं पर कहानी है अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप मैच की। ये मुकाबला साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच 3 जून को हुआ। न्यूयॉर्क के नसाउ इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मैच में बल्लेबाजों ने 4.42 के रनरेट से रन बनाए। ये टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे कम रनरेट है और टी-20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे कम रनरेट। दोनों टीमों के बल्लेबाज 35.3 ओवर खेले और सिर्फ 12 बाउंड्री लगीं, 6 चौके-6 छक्के। नसाउ की ड्रॉप इन पिच गेंदबाजों के लिए वरदान रही और बल्लेबाजों के लिए बुरा सपना। दोनों टीमों का कोई बल्लेबाज 20 रन से ज्यादा स्कोर नहीं कर सका। साउथ अफ्रीकी ओपनर क्विंटन डी कॉक 20 रन बनाकर मैच के टॉप स्कोरर रहे। एनरिक नॉर्त्या ने 4 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट लिए। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया था और टीम मुश्किल पिच पर 19.1 ओवर में 77 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका को भी बाउंसी और टर्निंग ट्रैक पर 78 रन का टारगेट चेज करने में 16.2 ओवर लग गए। नसाउ की इसी ड्रॉप इन पिच पर भारत 5 जून को आयरलैंड, 9 जून को पाकिस्तान और 12 जून को अमेरिका से मैच खेलेगी।

फ्रेंच ओपन: नोवाक ने इटली के लोरेंजो को दी मात

पेरिस, एजेंसी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच ने रविवार देर रात तक चले मुकाबले को जीतकर यहां खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने तीसरे दौर में इटली के 30वीं वरीय खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 6-7, 2-6, 6-3, 6-0 से शिकस्त दी। यह मैच बारिश के कारण देरी से शुरू हुआ और स्थानीय समयनुसार 3.07 बजे खत्म हुआ। 37 वर्षीय जोकोविच को जीत दर्ज करने के लिए चार घंटे 29 मिनट तक पसीना बहाना पड़ा। फेडरर के रेकॉर्ड की बराबरी- टॉप सीड नोवाक जोकोविच ने सर्वाधिक ग्रैंड स्लेम मैच जीतने वाले स्विट्जरलैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर के रेकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दोनों खिलाड़ी अब 369 मैच जीतकर शीर्ष पर हैं। जोकोविच जल्द इस रेकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

नार्वे शतरंज: फ्रांस और चीन के खिलाड़ी जीते, वैशाली की छठे दौर में पराजय

अलीरेजा से हारे प्रज्ञाननंदा, कार्लसन को एकल बढ़त

स्टवांगर (नॉर्वे), एजेंसी

भारत के भाई बहन की जोड़ी आर प्रज्ञाननंदा और आर वैशाली को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट छठे दौर में हार का सामना करना पड़ा जबकि मैग्नस कार्लसन ने खराब फॉर्म में चल रहे डिंग लिरेन को हराकर 12 अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली। अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने हमवतन हिकारू नाकामुरा को हराकर छह खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में कार्लसन को बढ़त हासिल करने में मदद पहुंचाई। प्रज्ञाननंदा को क्लासिकल मैच में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह इसके बाद आर्मगेडन टाईब्रेकर में हार गए। उनकी बहन वैशाली को चीन की विश्व महिला चैंपियन वेनजुन जू से हार का सामना करना पड़ा। अब जबकि चार दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब शीर्ष पर काबिज कार्लसन के बाद नाकामुरा का नंबर आता है जिनके 11 अंक हैं जबकि प्रज्ञाननंदा 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा आठ अंकों के साथ चौथे और कारूआना 6.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि चीन के डिंग लीरेन अब तक केवल 2.5 अंक ही बना पाए हैं। महिलाओं के वर्ग में वेनजुन जू और अन्ना मुजिचुक ने वैशाली की जगह बढ़त हासिल कर ली है। वेनजुन जू व मुजिचुक दोनों के समान 10.5 अंक हैं वैशाली उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचुक ने चीन की टिंगजी लेई को आर्मगेडन टाईब्रेकर में हराया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'हीरामंडी' के सीजन 2 का ऐलान, आजादी के बाद के कोठों की दिखेगी कहानी

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। सीरीज को दर्शकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, सीरीज के आने के बाद से भंसाली से इसके सीजन 2 की मांग की जा रही थी, उस समय निर्देशक ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन अब हाल ही में, नेटफ्लिक्स ने हीरामंडी सीजन 2 का एलान कर दर्शकों को खुश कर दिया है। सीजन 2 में आजादी के बाद की तवायफों की कहानी देखने को मिलेगी। हीरामंडी का पहला सीजन वहां खत्म होता है जहां आलमजेब पेट से होने की खबर ताजदार की दादी को सुनाती है। बिब्बोजान अंग्रेजों से मुकाबला करते मारी जा चुकी है। और, ताजदार की शादी आलमजेब से होने से रोकने के लिए उसका पिता उसे पुलिस के हवाले कर देता है। ताजदार भी अंग्रेजों की पिटाई से पुलिस हिरासत में ही दम तोड़ देता है। ये सारा घटनाक्रम लाहौर का है। सीरीज के पहले सीजन का अंत वहां होता है, जहां आजादी का संघर्ष अपने चरम पर है। कहानी अब लाहौर से निकलकर कहां जाएगी, ये देखना दिलचस्प होगा। कहा ये भी जा रहा है कि सीरीज के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली सीजन 2 को दिल्ली और मुंबई के कोठों की तवायफों पर केंद्रित करेंगे। संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी द डायमंड बाजार की सफलता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, हीरामंडी द डायमंड बाजार के लिए प्यार और सराहना से मैं धन्य हूं। शो को दुनिया भर के दर्शकों के साथ जुड़ते हुए देखना खुशी की बात है और मैं नेटफ्लिक्स से बेहतर पार्टनर की उम्मीद नहीं कर सकता था। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम सीजन 2 के साथ वापस आएंगे! नेटफ्लिक्स इंडिया की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा, सीजन 1 ने प्रशंसकों को और अधिक के लिए उत्सुक कर दिया। क्या इतिहास खुद को दोहराएगा? हीरामंडी के हीरों के लिए क्या है? हीरामंडी के रूप में स्थिति स्पष्ट है। सीरीज शक्तिशाली कहानी कहने के साथ लौटने की तैयारी कर रहा है।

मेट्रो बाजार

अरबपति नेल्सन पेल्ट्ज ने डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी

मुंबई, एजेंसी

अरबपति नेल्सन पेल्ट्ज ने डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची, एक अरब डॉलर के मुनाफे के साथ हुआ सौदा पेल्ट्ज़ और उनके हेज फंड, ट्रायन फंड मैनेजमेंट ने मीडिया और मनोरंजन समूह के खिलाफ लंबे समय से चल रही अपनी प्रॉक्सी वॉर में हार के करीब दो महीने बाद यह बिकवाली की। रिपोर्ट्स के अनुसार पेल्ट्स ने अपनी पूरी हिस्सेदारी करीब 1 अरब डॉलर के मुनाफे में बेची है। अरबपति निवेशक और एक्टिविस्ट नेल्सन पेल्ट्ज ने बुधवार को डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। पेल्ट्ज़ और उनके हेज फंड, ट्रायन फंड मैनेजमेंट ने मीडिया और मनोरंजन समूह के खिलाफ लंबे समय से चल रही अपनी प्रॉक्सी वॉर में हार के करीब दो महीने बाद यह बिकवाली की। रिपोर्ट्स के अनुसार पेल्ट्स ने अपनी पूरी हिस्सेदारी करीब 1 अरब डॉलर के मुनाफे में बेची है। पेल्ट्ज़ ने अपने सभी डिज्नी स्टॉक को लगभग 120 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर बेच दिया। पेल्ट्ज के हेज फंड ट्रायन फंड मैनेजमेंट के पास करीब 3.5 अरब डॉलर के डिज्नी के शेयर थे। एक परिचित के मुताबिक इस सौदे के जरिए पेल्ट्स को करीब एक अरब डॉलर का मुनाफा हुआ। कंपनी के शेयर करीब 100 डॉलर प्रति शेयर के भाव कारोबार कर रहे हैं। डिज्नी के शेयर इस साल अब तक लगभग 11 फीसदी तक चढ़े हैं। पेल्ट्ज़ के ट्रायन पार्टनर्स ने अप्रैल की शुरुआत में डिज्नी में एक प्रॉक्सी लड़ाई हारने के हफ्तों बाद यह बिकवाली की है। पेल्ट्ज खुद को और डिज्नी के पूर्व वित्त प्रमुख जे रासुलो को कंपनी के बोर्ड में चुनने की मांग कर रहे थे। पेल्ट्ज़ ने लंबे समय से डिज्नी प्रशासन के साथ इस विवाद में उलझे रहे। बीते साल अक्तूबर में सीएनबीसी ने बताया कि उन्होंने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी लगभग तीन करोड़ शेयरों तक बढ़ा दी थी। डिज्नी की स्ट्रीमिंग रणनीति और सीईओ बॉब इगर के लिए एक असफल उत्तराधिकार योजना पर पर लगातार सवाल उठाते रहे थे।

'द ब्लफ' के क्रू के साथ मस्ती करती दिखीं 'देसी गर्ल'

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री अपने इस नए प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से इस फिल्म की क्रू के संग यॉट पार्टी की कुछ झलकियों को अपने फैंस के संग साझा किया है। अपने इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक प्यारा सा नोट भी लिखा है प्रियंका ऑस्ट्रेलिया में अपनी फिल्म द ब्लफ की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेत्री ने अपने बिजी शेड्यूल में से वक्त निकाल कर अपनी बेटी और फिल्म के बाकि के क्रू मेंबर के साथ पार्टी करती नजर आईं। एक खूबसूरत से यॉट पर देसी गर्ल कैजुअल अंदाज में दिख रही हैं। प्रियंका तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा है, जब मैं कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करती हूं तब मेरे लिए सबसे जरुरी क्रू को जानना होता है। मैं जिन लोगों के साथ काम करूं वे अपने काम को लेकर उतने ही उत्साहित हों जितना मैं होती हूं तब काम करने में काफी आनंद आता है। प्रियंका आगे लिखती हैं, एक फिल्म के निर्माण के लिए हम सब अपने परिवारों और घरों से दूर रहते हैं। हम एक साथ इतना समय बिताते हैं, एक साथ सोचते हैं। हम हर चीज साथ में करते हैं। मुझे लगता है हम कला के लिए जीते हैं। ऐसे में साथ में रहने वाला हर व्यक्ति अगर काम के लिए समर्पित हो तब एक बेहतरीन फिल्म का निर्माण होता है।

जान्हवी बोलीं- साउथ सिनेमा में श्रीदेवी के करीब महसूस करती हूं

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा जान्हवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अभिनेत्री राजकुमार राव के साथ नजर आ रही हैं। दर्शकों को जान्हवी की यह फिल्म काफी पसंद भी आ रही है। दोनों कलाकार फिल्म का जोरों-शोरों से प्रमोशन करने में लगे हुए हैं। अब हाल ही में, जान्हवी ने बताया है कि दक्षिण सिनेमा में आने से वह अपनी मां श्रीदेवी के और करीब महसूस करती हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। जान्हवी ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा कि दक्षिण फिल्म उद्योग में वह अपनी मां श्रीदेवी के करीब महसूस करती हैं। अभिनेत्री जान्हवी कपूर जूनियर एनटीआर के साथ देवरा में तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री अपनी 16वीं फिल्म में राम चरण के साथ एक और तेलुगु फिल्म में अभिनय करेंगी। जान्हवी ने कहा, किसी तरह यह मुझे अपनी मां के करीब महसूस कराता है, उस माहौल में रहना, साथ ही उस भाषा को सुनना और बोलना। मुझे लगा कि यह सही समय है, मुझे लगा कि मैं इसकी ओर आकर्षित हो रही हूं। एनटीआर सर और राम चरण सर के परिवारों के साथ मॉम के अच्छे संबंध रहे हैं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इन दोनों बेहद प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ काम करने में सक्षम हूं। मालूम हो कि अभिनेत्री श्रीदेवी की साल 2018 में दुबई में 54 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एमए थिरुमुगम की तमिल फिल्म थुनैवन (1969) से एक बाल कलाकार के रूप में की थी। अब उनकी बेटी अपने साउथ डेब्यू के लिए काफी उत्साहित हैं और दक्षिण उद्योग में भी अपने अभिनय की छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। बता दें कि बॉलीवुड के बाद जान्हवी भी साउथ इंडस्ट्री में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। फिल्म च्देवराज से वह साउथ फिल्मों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दर्शकों को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

एआई पायलट्स की जगह नहीं ले सकता

नईदिल्ली,एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में दुनियाभर के एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से कम मार्जिन की समस्या से जूझ रही हैं, ऐसे में एआई के जरिए इनकी उत्पादकता में वृद्धि पर आयोजन के दौरान चर्चा की गई। एयरलाइंस में हाल फिलहाल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पायलट्स की जगह नहीं ले सकती, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में क्रांति ला रही है। दुबई में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की 80वीं बैठक से पहले एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा साइंस और एआई के प्रमुख जूली पॉजी ने यह बात कही। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर क्षेत्र में तेजी से अपना पैर फैला रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एयरलाइंस ने बताया कि भविष्य में यह पायलटों की जगह नहीं लेगा, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा विज्ञान और एआई के प्रमुख जूली पोजी ने विमानन क्षेत्र के लिए डेटा और एआई को एक शानदार लीवर बताया। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सोमवार को एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से ही कम लाख मार्जिन की आदी है, लेकिन एआई के जरिए इसके उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है।

मेडिकल में काम करने वाले युवक और उसके भाई पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

चिल्ड्रन अस्पताल के संचालक की पत्नी से 35 लाख नगदी व 51 तोला गोल्ड की ठगी

घर में आपदा बताकर तांत्रिक से निराकरण कराने का झांसा देकर लाखों की धोखाधड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड अशोका गार्डन अस्सी फीट रोड पर चिल्ड्रन अस्पताल के संचालक की पत्नी से 35 लाख की नगदी और 51 तोला गोल्ड की धोखाधड़ी अस्पताल का संचालन करने वाले डॉक्टर हरिराम पिप्पल की पत्नी से 35 लाख रुपए की नगदी और 51 तोला गोल्ड की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि उनके अस्पताल के मेडिकल में काम करने वाले कर्मचारी ने तांत्रिक से पूजा पाठ कराने के नाम पर उन्हें लाखों का चूना लगाया है। पुलिस ने डॉक्टर पिप्पल की पत्नी की शिकायत पर धोखाधड़ी समेत जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार डॉक्टर हरिराम पिप्पल, ओल्ड सुभाष नगर में रहते हैं और घर के सामने मुख्य रोड पर प्रांजल चिर्ल्डन अस्पताल का संचालन करते हैं। उनके अस्पताल में मेडिकल स्टोर भी है। मेडिकल स्टोर में सोहेल नामक युवक का काम करता है। डॉक्टर पिप्पल की पत्नी मीरा पिप्पल ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों से उनके घर कुछ परेशानियां चल रही थी। इसका जिक्र उन्होंने सोहेल से किया। सोहेल ने उन्हें बताया कि वह एक तांत्रिक को जानता है और वह समस्या का समाधान कर देगा। सोहेल ने तांत्रिक से बातचीत कर हल बताने की बात कही।

ऐसे हुआ खुलासा

गत दिनों डॉक्टर हरिराम पिप्पल ने घर के लॉकर चेक किए तो उन्हें गोल्ड और नगदी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी से पूछा तो पत्नी ने बताया कि उक्त गोल्ड और नगदी उसने सोहेल को दी है। सोहेल तांत्रिक से गोल्ड और नगदी की पूजा कर शुद्ध कर देगा और घर की सारी समस्या का समाधान हो जाएगा।

बोला बेटे की जान को खतरा

सोहेल ने मीरा पिप्पल से कहा था कि आपके घर में परेशानी चल रही है। परेशानी और भी बढ़ सकती है आपके बेटे को जान का खतरा है। बेटे की जान को खतरा सुनकर मीरा पिप्पल डर गई और उन्होंने तांत्रिक से पूजा पाठ कराने की बात कही। सोहेल ने कहा कि तांत्रिक को घर से नगदी और पुराना सोना देना पड़ेगा। तांत्रिक उक्त सोना और नगदी को बॉक्स में रखकर पूजा पाठ करेगा। बाद में नगदी और सोना लौटा देगा। इससे घर की सारी समस्या खत्म हो जाएगी। आरोपी की बातों में आकर मीरा पिप्पल ने उन्हें घर में रखा 51 तोला गोल्ड और 35 लाख रुपए की नगदी दे दी।

बॉक्स थमाकर आरोपी फरार

डॉक्टर पिप्पल ने सोहेल को तत्काल गोल्ड और नगदी लाने का कहा तो वह बॉक्स लेकर डॉक्टर पिप्पल के पास पहुंचा था। उसने कहा कि इस बॉक्स में गोल्ड और नगदी है। इसे चौबीस घंटे के बाद ही खोलना नहीं तो परेशानी में फंस जाओगे। चौबीस घंटे बाद बॉक्स खोला गया तो उसने कतरन पड़ी हुई थी।

सोहेल और उसके भाई फरार पर प्रकरण दर्ज

बॉक्स में सोना और नगदी नहीं मिलने डॉक्टर हरिराम पिप्पल पत्नी को लेकर अशोका गार्डन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी विजय भामरे ने बताया कि उक्त मामले में सोहेल और उसके भाई फराज पर धोखाधड़ी का मामला दर्जकिया है। धोखाधड़ी का मास्टर माइंड सोहेल है और उसने अपने भाई फराज को पैसा और गोल्ड लेने के लिए डॉक्टर पिप्पल के घर भेजा था। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

व्यवसाय में निवेश के नाम पर टेलर को लगाया पांच लाख का चूना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

25 फीसदी कमीशन देने का प्रलोभन देकर हड़पे रुपए

निशातपुरा थाना क्षेत्र में एक जालसाज द्वारा टेलर के पांच लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। जालसाज ने टेलर को व्यवसाय में निवेश के बदले लाभ में 25 फीसदी कमीशन का प्रलोभन दिया था, लेकिन जालसाज ने उन्हें कमीशन नहीं दिया और रुपए लौटाने से भी इंकार कर दिया तो टेलर ने पुलिस और आलाधिकारियों को शिकायती आवेदन दिया था। शिकायती आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने जालसाज पर अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 42 साल के राजकुमार महेश्वरी, एमआईजी 17 विश्वकर्मा नगर करोंद में रहते हैं और टेलरिंग शॉप का संचालन करते हैं। उनकी मुलाकात वर्ष 2022 में विजय ठाकुर से हुई थी। विजय ठाकुर ने बताया था कि वह एजुकेशन डिपार्टमेंट में फर्नीचर सप्लाई का काम करते हैं। इस काम में उन्हें अच्छा फायदा होता है, लेकिन उनके पास व्यवसाय में लगाने पर्याप्त रकम नहीं है। विजय ठाकुर ने राजकुमार को प्रलोभन दिया कि यदि वह व्यवसाय में रकम लगातें हैं तो उन्हें लाभ का 25 फीसदी कमीशन मिलेगा। राजकुमार, जालसाज विजय ठाकुर की बातों में आ गए और पांच लाख रुपए की रकम व्यवसाय में निवेश करने के नाम पर दे दी। उक्त रकम उन्होंने अगस्त 2022 में चेक और नगदी के माध्यम से विजय ठाकुर को दी थी। राजकुमार और विजय के बीच एग्रीमेंट भी हुआ था, लेकिन पांच लाख रुपए की रकम हाथ लगने के बाद आरोपी ने विजय ठाकुर ने कोई कमीशन नहीं दिया। राजकुमार ने अपने रुपए वापस मांगे तो आरोपी आजकल में रुपए लौटाने की बात कहने लगा। जब आरोपी ने अपना नंबर बंद कर लिया और फरार हो गया तो राजकुमार ने पुलिस को शिकायत की।

घर के सामने खड़ी कार का कांच तोड़कर नगदी और बच्चों के खिलौने चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सम्राट कॉलोनी में अज्ञात बदमाश घर के सामने खड़ी कार का कांच तोड़कर साड़े आठ सौ रुपए की नगदी समेत बच्चों के खिलौने चुराकर ले गए। घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात की है। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार 38 साल के कुंवर सिंह गर्ग, बी-7, सम्राट कॉलोनी अशोका गार्डन में रहते हैं और एक कंपनी में कैश मैनेजमेंट का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत रविवार रात करीब 11 बजे उन्होंने अपने घर के सामने कार पार्क की थी। रविवार सुबह वे कार के पास पहुंचे तो कार के पिछले गेट का कांच टूटा मिला। कार की तलाशी लेने पर पता चला कि अंदर रखी साड़े 8 सौ रुपए की नगदी समेत बच्चों के खिलौने नहीं थे। उन्होंने तत्काल घटना की शिकायत थाने पहुंचकर की। पुलिस ने कुंवर सिंह गर्ग की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी और तोड़फोड़ का मामला दर्ज कर लिया है। बदमाश कार से कुल दो हजार रुपए का सामान चुराकर ले गए हैं।

पत्नी की हत्या कर लाश दफन करने वाला गया जेल, पहली पत्नी की ट्रेन की चपेट में आने से हुई थी मौत

2019 में पहली पत्नी की मौत की जांच करेगी पुलिस, आरोपी निकला शातिर बदमाश थानों में है आधा दर्जन अलग-अलग प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी स्थित पतलोन में चरित्र संदेह पर पत्नी की हत्या कर उसे कचरा खंती में लताकर दफन करने वाले आरोपी नदीम उद्दीन को पुलिस ने सोमवार को कोर्ट में पेश कर दिया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। तीन दिन की पुलिस रिमांड में आरोपी से चौकाने वाला खुलासा है। आरोपी ने बताया कि मृतिका सानिया उसकी दूसरी पत्नी थी। उसने पुलिस को पूछताछ में बताया कि साल 2019 में उसकी पहली पत्नी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। पहली पत्नी की मौत के बाद उसने कुछ दिन बाद ही दूसरी शादी सानिया से कर ली थी। पुलिस ने उसका आपराधिक रिकार्ड खंगाला तो पता चला कि शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ निशातपुरा, गौतम नगर, ईंटखेड़ी में पूर्व के 9 अपराध हैं। पुलिस अब उसकी पहली पत्नी की मर्ग डायरी का पता लगा रही है। पुलिस को संदेह है कि उसकी पहली पत्नी की भी तो आरोपी ने कहीं हत्या नहीं की थी।

उल्लेखनीय है कि मुरली नगर करोंद निवासी सानिया पिता वसीम उद्दीन (22) की शादी गांव पतलोन, थाना ईंटखेड़ी निवासी नदीम उद्दीन से चार साल पूर्व लॉकडाउन में हुई थी।

26 साल का नदीम उद्दीन पेशे से आटो चालक है। नदीम उद्दीन पत्नी पर चरित्र संदेह करता था और इसी को लेकर दंपती में विवाद होता था। अक्सर होने से वाले विवाद के बाद सानिया पति से अलग अपने मायके में पिता के पास मुरली नगर में रह रही थी। 21 को पति उसे अपने साथ बहाने से लेकर घर लेकर पहुंचा। रात में उसकी हत्या कर दी। लाश बोरी में भरकर आटो से अरबलिया गौशाला पहुंचा। वहां कचरा खंती से सूखा कचरा इकट्ठा कर सानिया की लाश जला दी। कचरे से लाश पूरी तरह नहीं जली तो आरोपी ने पास ही गड्ढा खोदा और लाश दफन कर दी थी। 30 मई को उसने निशातपुरा थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया।

कुत्ते की रॉड से पीट पीटकर हत्या, पुलिस ने युवक पर दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित करारिया फार्म में एक युवक द्वारा कुत्ते की रॉड से हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पशु प्रेमी की शिकायत पर जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार अयोध्या नगर निवासी 40 साल की कविता भावनानी पशु प्रेमी हैं और पशुओं की सुरक्षा समेत संरक्षण के लिए एनजीओं से जुड़ीं है। उन्होंने पुलिस को बताया कि करारिया फार्म में सब्जी का ठेला लगाने वाले चंद्रशेखर मालवीय द्वारा एक कुत्ते के साथ क्रूरता कर उस पर रॉड से हमला किया गया था। रॉड से हमला करने के कारण कुत्ते की मौत हो गई। पुलिस ने जांच प?ताल की तो पता चला कि कुत्ते पर हमला हुआ?था। दरअसल, उसकी दिन कुत्ते ने क्रमशः चार लोगों को काटा था।

सफाई कर्मचारी के साथ युवक ने की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर पुलिस ने सुलभ काम्पलेक्स के कर्मचारी संतोष कुमार परोसिया रविदास कालोनी नारियलखेड़ा स्थित सुलभ काम्पलेक्स में सफाई कर्मचारी हैं और काम्पलेक्स में ही बने कमरे में रहते हैं। शनिवार की रात करीब नौ बजे शुभम नामक युवक काम्पलेक्स पहुंचा और संतोष कुमार के दरवाजे पर लात मारने लगा। संतोष ने जब मना किया तो उसने शुभम ने हाथ मुक्को से मारपीट कर दी।

मेट्रो एंकर 5 मई को हुआ था हादसा, हादसे के बाद से ही था गंभीर, नहीं हो सके बयान

कोलार निर्माणाधीन सड़क पर मशीन से टकराकर बाइक सवार की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार थाना क्षेत्र स्थित मदर टैरेसा स्कूल के पास मुख्य सड़क पर खड़ी मशीन से टकराने के कारण बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान सोमवार शाम उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजन ने जमकर हंगामा करते हुए मशीन मालिक पर प्रकरण दर्ज करने की बात कही है।

पुलिस ने जांच का हवाला दिया तब जाकर परिजन का हंगामा शांत हो सका। पुलिस के अनुसार सुरेंद्र सिंह पिता वीरेंद्र सिंह (36) हर्षवर्धन नगर, टीटी नगर में रहता था और आरकेडीएफ कालेज कोलार में जॉब करता था। गत 5 जून की शाम वह कॉलेज से घर लौट रहा था। इस दौरान मदर टैरेसा स्कूल के पास उसकी बाइक सड़क पर खड़ी मशीन से टकरा गई। मशीन सड़क निर्माण में लगी थी और सड़क पर ही खड़ी थी। इस हादसे में सुरेंद्र को सिर में गंभीर चोट आईड़थी। उसका हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल सुरेंद्र के बयान दर्ज करने चाहे, लेकिन पता चला कि वह कोमा में है। लिहाजा उसके बयान नहीं हो सके थे। उसके सिर में गहरा घांव लगा था। अनुमान है कि मशीन का कोई नुकीला पार्ट्स उसके सिर में लगा था। मंगलवार शाम इलाज के दौरान सुरेंद्र की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश पीएम के लिए भेज दीड़थी। पुलिस ने बताया कि सुरेंद्र की मौत के बाद परिजन को गुस्सा फूट गया।ड़परिजन मशीन सड़क पर खड़ी करने वाले ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी, तभी उनका गुस्सा शांत हो सका।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022